समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• जून २०२३ • वर्ष ७४ • अंक ६

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल से मारवाड़ी सम्मेलन के शिष्टमंडल की भेंट

चित्र में परिलक्षित हैं (दायें से) पश्चिम बंगाल के महामहिम राज्यपाल डॉ. सी.वी. आनंद बोस, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश कुमार जैन एवं राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री पवन जालान।

बधाई !

सिक्किम प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन
के संस्थापक अध्यक्ष
श्री रमेश कुमार पेड़ीवाल

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएँ।

योग अपनाएँ
स्वयं को निरोग एवं स्वस्थ बनाएँ

अखिल भारतीय समिति की बैठक

९ जुलाई २०२३ (रविवार)
कोलकाता

समय : सुबह ११.०० बजे

कार्यशाला (बोधशाला)

अपराह्न : ३.०० बजे से

इस अंक में

संपादकीय
भारतीय ओपन वाटर तैराक भक्ति शर्मा

आपणी बात
शाखाएँ हमारी नींव

रपट
प.बं. राज्यपाल से सम्मेलन के शिष्टमंडल की भेंट
रथयात्रा पर दो दिवसीय सेवा शिविर संपन्न

प्रादेशिक समाचार
बिहार, झारखंड, उत्कल, पूर्वोत्तर, सिक्किम, उत्तराखंड

विशेष
दस्तावेज: सम्मेलन का सप्तम अधिवेशन
इतिहास के पन्नों से: सम्मेलन का अधिवेशन

आलेख
बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बनाएँ
झूंपड़ी वाली डॉक्टर

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED

RAMKRISHNA FORGINGS LIMITED (RKFL) is India's Second biggest and leading Integrated Forging cum Machining Company. RKFL have Closed Die Forging Hammers, Upsetters, Ring Rolling & Press Lines from 2000 to 12500 Tons. RKFL is a supplier of major OEM's, Tier 1, suppliers globally for Automotive, Mining, Earth Moving, Oil & Gas, Railways and General Engineering Industries.

The Company is accredited with IATF 16949, ISO 14001 (EMS), OSHAS 18001, AS9100D and Testing Laboratories are NABL accredited (ISO/IEC 17025:2005). Its Corporate Office is located is Kolkata & Facilities are in Jamshedpur.

RKFL's product is exported to North America, South America, Europe, Australia, UK, Turkey and Asian Countries.

Regd. & Corporate Office:

23, Circus Avenue, 9th Floor,
Kolkata – 700 017, West Bengal, India.
Office phone : +(91) 033 4082 0900 / 7122 0900
Email – info@ramkrishnaforgings.com
Web site – www.ramkrishnaforgings.com

Overseas Office at:

Detroit-USA, Toluca-Mexico, Istanbul-Turkey.

Plants at:

Plant I, III, IV, V, VI & VII at Jamshedpur, India
Plant: II at Liluah, Howrah, India

Perfectly styled weddings

Showcasing a collection of impeccably styled ceremonial suits, that add a sense of style and sophistication to your wedding look. This collection is a true testament to redefining suits for weddings, crafted in multiple hues, distinctive silhouettes and fine detail. Because no wedding wardrobe is complete without a well-tailored suit.

THE Raymond SHOP

7/1A, Lindsay Street
✆22174978/22174980/9331046462

21, Camac Street
✆22837933/40629259/9007104378

Use Green Products & Increase Green Building Rating Points

HINDCON CHEMICALS

STRENGTH UPON STRENGTH

Manufacturers of:

CONSTRUCTION CHEMICALS
SPECIALITY CHEMICALS
SODIUM SILICATE

PROTECTIVE & WATERPROOFING COATINGS, SHEETINGS
EXPANSION & CONTRACTION JOINT SYSTEM | CONCRETE
& MORTAR ADMIXTURES | REMOVER/CLEANING COMPOUNDS
WATER PROOFING COMPOUNDS | GROUTS & REPAIRING MORTARS
CEMENT ADDITIVES | EPOXY GROUTS & MORTARS | REHABILITATION
COATING IMPREGNATION | CONCRETING AIDS | SHOT CRETE AIDS
FLOOR TOPPINGS | TILE ADHESIVE | FOUNDRY AID | SEALANTS

- **Kolkata :** Nest Constructors +91 9831075782
- **Midnapore :** New S.A. Sanitary +91 8016933523
- **Mursidabad :** Bharat Congee +91 7047628386
- **Siliguri :** Subhojit Ghosh +91 9836367567
  Bhawani Enterprise +91 7584983222
- **South 24 Pgs :** M.M. Enterprise +91 9051449377
- **Nadia :** NPR Enterprise +91 9775174923
- **Purulia :** Netai Chandra Son & Grand Sons +91 9775154544
- **Bankura :** Amit Enterprise +91 8972945781
- **Arambagh :** Maa Manasa Trading +91 9647673010
- **Hooghly :** Sen Enterprise +91 7908528482
- **Birbhum :** K.D. Enterprise +91 9434132114
- **Bhubaneswar :** Santosh Nayak +91 8895677677
- **Chennai :** Five Star Associates +91 9962591145
- **Delhi :** Debasis De +91 9836174567
- **Gujarat :** Ujjwal Chanchal +91 9142501353
- **Guwahati :** Manik Dey +91 9864824344
- **Himachal Pradesh :** Rajan Sharma +91 9830286567
- **Karnataka :** Akshaya Enterprise-9902019244
- **Madhya Pradesh :** Kanha Trading Co. +91 9630732585
  Om Shree Sai Trader +91 8077185201
- **Navi Mumbai :** Paresh Ashra, +91 9967658832, 9322591244
- **Patna :** Happy Home +91 9122191920
- **Uttar Pradesh :** Pramod Kr. Shahi +91 9830296567
  Hind Trading Company +91 7052429999
- **Bhutan :** Sriram Traders - +91 9647748327
- **Nepal :** Ashwin International Pvt. Ltd - 00977 9851035502

ISO 9001:2015 | IS:2645 | SGS | UKAS | IS:9103 | ISO 22716:2007

+91 33 24490839, 9830599113 | +91 33 24490849 | contactus@hindcon.com | www.hindcon.com

Vasudha' 62 B, Braunfeld Row, Kolkata-700027, West Bengal, India

समाज विकास

◆ जून २०२३ ◆ वर्ष ७४ ◆ अंक ६
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक — पृष्ठ संख्या

- **संपादकीय :** ६
  भारतीय ओपन वाटर तैराक सुश्री भक्ति शर्मा
- **आपणी बात : शिव कुमार लोहिया** ७
  शाखाएँ हमारी नींव
- **रपट**
  रथयात्रा महोत्सव पर दो दिवसीय सेवा शिविर ८
  पश्चिम बंगाल के राज्यपाल से मारवाड़ी सम्मेलन के शिष्टमंडल की भेंट ९
  अखिल भारतीय समिति बैठक की सूचना १३
- **प्रादेशिक समाचार**
  पूर्वोत्तर, बिहार, झारखंड, उत्तराखंड, सिक्किम १४-१९
  समाचार सार २६
- **विशेष**
  दस्तावेज २०
  इतिहास के पन्नों से २३
- **आलेख**
  बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बनाएँ २४
  झूंपड़ी वाली डॉक्टर २८
- **कविता**
  बेटी रौ सपनौ २८

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : ४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ **प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा** ◆ **संपादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

चिट्ठी आई है

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र 'समाज विकास' का मई अंक मिला और पूर्व में भी नियमित अंक मुझे मिलते रहे हैं।

जानकर प्रसन्नता हुई कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के २७वें राष्ट्रीय अधिवेशन में श्री शिव कुमार लोहिया जी २०२३-२५ सत्र के निमित्त राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में चयनित हुए। इससे ज्ञात होता है कि पूरे मारवाड़ी समाज को आप पर भरोसा है। आप समाज विकास के प्रति प्रतिवद्ध हैं, आप एक ऊर्जावान जूझारू व्यक्ति हैं, और समाज विकास हेतु अहर्निश प्रयासरत रहते हैं। आपका लेखन, प्रेरक संबोधन फिर समाज के बीच स्वयं उपस्थित होकर जो कार्य करते हैं उसका व्यापक प्रभाव पड़ता है।

आप के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। हमारी अनंत शुभकामनाएं आप के साथ। ....और आपके अगुवाई में मारवाड़ी समाज दिन-दूनी रात चौगुनी तरक्की के पथ पर अग्रसर रहेगा तथा दूसरे जाति-समाज के व्यक्ति भी प्रेरित होंगे।

'**समाज विकास**' का नियमित प्रकाशन मजबूती प्रदान करता है। संपादकीय, रपट, प्रादेशिक समाचार तथा साहित्यिक रचनाएं भी उत्कृष्ट सारगर्भित एवं पठनीय होते हैं। आप ही के शब्दों में – उसूलों पर आंच आए तो टकराना जरूरी है,
जो जिंदा हो तो जिंदा नजर आना जरूरी है।

– नरेन्द्र कुमार सिंह
संपादक, समय सुरभि अनंत

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

समाज से सादर निवेदन

वैवाहिक अवसर पर मद्यपान करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

प्री-वेडिंग शूट
हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।

समाजहित में इनसे परहेज करें।

निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।

संपादकीय

भारतीय ओपन वाटर तैराक सुश्री भक्ति शर्मा

समाज की बेटियाँ हर क्षेत्र में परचम लहरा रही हैं। ऐसी ही एक बेटी सुश्री भक्ति शर्मा की उपलब्धियों की कहानी आपके साथ साझा कर रहा हूँ।

राजस्थान की बेटी सुश्री भक्ति शर्मा का जन्म मुंबई में ३० नवंबर १९८९ को हुआ और परवरिश उदयपुर, राजस्थान में हुई। भक्ति ने दो साल की उम्र से माँ लीना से तैराकी सीखनी शुरू की थी। जब भक्ति और उनकी माँ लीना शर्मा मुंबई से उदयपुर रहने के लिए आती हैं तो पूरे उदयपुर में एक ही स्विमिंग पुल था, वह भी एक प्राइवेट होटल में। स्विमिंग पुल का प्रशासक कहता है कि यहाँ स्विमिंग करने के लिए पूरा शरीर ढका हुआ पोशाक पहनना पड़ेगा, क्योंकि यहाँ के लोगों की सोच ठीक नहीं है। उन्हें तैराकी को जारी रखने के लिए काफी समस्याओं से जूझना पड़ा। कई राज्य और जिला स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के बाद २००३ में भक्ति शर्मा ने पहली बार समुद्र में उरण बंदरगाह से गेटवे ऑफ इंडिया तक १६ कि. मी. तैर कर आईं। उस समय वे केवल १४ वर्ष की थीं। भक्ति शर्मा के नाम लंबी दूरी की तैराकी में कई विश्व रिकॉर्ड हैं। उन्होंने ३६ कि. मी. की सबसे लंबी दूरी तय की है। भक्ति शर्मा ने छोटे से तैराकी करियर में सराहनीय कार्य किया है और कुछ मील के पत्थर स्थापित किए हैं। उनकी प्रमुख उपलब्धियां २००४ में उन्होंने ९ घंटे ३० मिनट में हिंद महासागर में धरमतार से गेटवे ऑफ इंडिया तक ३६ कि. मी. की दूरी सफलतापूर्वक तय की। ६ जुलाई २००६ को मात्र १६ वर्ष की आयु में १३ घंटे और ५५ मिनट में शेक्सपीयर बीच डोवर इंग्लैंड से फ्रांस के कलैस तक इंग्लिश चैनल को पार किया तथा ज्यूरिख झील में तैराकी प्रतिस्पर्द्धा जीता। भक्ति ने अपनी माँ के साथ इंग्लिश चैनल पार करने वाली पहली माँ-बेटी (कोच-खिलाड़ी) की जोड़ी के लिए एक विश्व रिकॉर्ड भी बनाया है, जिसे उन्होंने २००८ में हासिल किया था। ६ अगस्त २००६ को उन्होंने १९वीं इंटरनेशनल सेल्फ-ट्रांसेंडेंस मैराथन स्विम, रैपरस्विल से ज्यूरिख तक की २६.४ किलोमीटर लंबी प्रतिस्पर्धा की थी; जिसमें वह पहले स्थान पर रहीं और १० घंटे, ४१ मिनट, ४२ सेकंड में यह उपलब्धि हासिल करने वाली ४० आयु वर्ग में सबसे कम उम्र की महिला बन गईं। २००७ में स्पेन भूमध्य सागर में ५ घंटे १३ मिनट में जिब्राल्टर के जलडमरूमध्य को पार किया, जिसे सबसे चुनौतीपूर्ण समुद्री मार्गों में से एक माना जाता है। २००७ में वह प्रशांत महासागर में ६.५ कि. मी. की रॉक (अलकाट्राज़) के आसपास तैर गईं। २००७ में भक्ति ने वेस्ट आइलैंड, अटलांटिक महासागर के चारों ओर तैरने वाली मैराथन में स्वर्ण पदक जीता। २००८ में उन्होंने अपनी माँ लीना शर्मा और दोस्त प्रियंका गहलोत के साथ १६ घंटे, ५८ मिनट में ७२ कि. मी. की दूरी को धरमतार से गेटवे ऑफ इंडिया, मुंबई तक कवर करके एक भारतीय रिकॉर्ड बनाया। २०१० में वह आर्कटिक महासागर में ३३ मिनट में १.८ कि. मी. की दूरी सफलतापूर्वक तय की। इस प्रक्रिया में वह ४ महासागरों में तैरने वाली दुनिया की दूसरी और सबसे कम उम्र की तैराक बन गईं। २०१० में भक्ति शर्मा को पूर्व राष्ट्रपति माननीय प्रणब मुखर्जी ने '**तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार**' से पुरस्कृत किया था। जनवरी २०१५ में भक्ति शर्मा ने अंटार्कटिक महासागर में लिन कॉक्स (यूएसए) और लुईस पुघ (इंग्लैंड) के रिकॉर्ड को तोड़ते हुए ४१.१४ मिनट में १ डिग्री सेल्सियस के तापमान पर २.३ कि. मी. तैरकर विश्व रिकॉर्ड बनाया। वह अंटार्कटिक जल में खुली तैराकी में रिकॉर्ड स्थापित करने वाली पहली एशियाई महिला और दुनिया की सबसे कम उम्र की महिला हैं। भक्ति ने दुनिया के ५ महासागरों हिंदमहासागर, आर्कटिक, अटलांटिक, प्रशांत महासागर और अंटार्कटिका महासागर में तैरने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। सुश्री भक्ति शर्मा ने हाल ही में अंटार्कटिका जल में ओपन तैराकी का रिकार्ड बनाया है। भक्ति को उनकी उपलब्धियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है और उन्होंने अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार जीते हैं। भक्ति शर्मा अपनी प्रतिभा के बल पर फोर्ब्स की २०१९ के लिए जारी की गई 'मोस्ट पावरफुल' महिलाओं की सूची में २२वें स्थान पर थीं। भक्ति शर्मा ने अब तक चार वर्ल्ड रिकॉर्ड बना लिया है। ओपन वाटर स्विमर भक्ति शर्मा पर बायोपिक बनने जा रही है। भक्ति देश की पहली अंतरराष्ट्रीय तैराक होंगी, जिनके जीवन पर आधारित फिल्म बनेगी। भक्ति शर्मा सिम्बायोसिस अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय से संचार में प्रबंधन से मास्टर डिग्री तक की शिक्षा प्राप्त की है। वे भारत का नाम पूरी दुनिया में और ऊंचाइयों पर ले जाने की आकांक्षा रखती हैं। लगातार संघर्ष और अभ्यास के बूते भक्ति ने वो कर दिखाया, जिसे कर पाना हर किसी के बस की बात नहीं है। भक्ति की लगन का ही परिणाम है कि आज उसके घर की दीवारें केवल और केवल उसकी सफलता की कहानियों से भरी हुई हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने उनकी अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों पर एक बयान में कहा था कि "भक्ति शर्मा की उपलब्धियों के लिए हम सभी को उन पर बहुत गर्व है! उन्हें मेरी शुभकामनाएँ।" प्रधानमंत्री मोदी भक्ति के बड़े प्रशंसक हैं और ट्विटर पर उन्हें फॉलो करते हैं।

शाखाएँ हमारी नींव

– शिव कुमार लोहिया

राम राम!

सत्र २०२३-२५ की यात्रा प्रारम्भ हो चुकी है। पल-पल बीतता हुआ 'आज' 'कल' में परिवर्तित होता है। यह काल प्रवाह है। बीतते हुए पल का आनंद लेते हुए उनका सदुपयोग ही हमें उच्च अभीष्ट तक पहुँचायेगा, इस सत्य का हमें सदैव ध्यान रहना चाहिए।

इस सत्र के लिये राष्ट्रीय टीम का मनोनयन सम्पूर्ण हो चुका है। अनुभव, उत्साह, लगन के साथ जोश-होस का संतुलन रखते हुए टीम का प्रत्येक सदस्य बहुमूल्य योगदान देना प्रारंभ कर दिए हैं।

पूरे विश्व में हमारे देश ने डिजिटल अवसरो के नये से नये आयाम अपनाकर सूचना एवं तकनीकी क्रांति ला दी है। पूरा विश्व इसका लोहा मान रहा है। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन में इन अवसरों का सदुपयोग करके हम सदस्यों, शाखाओ एवं प्रांतीय कार्यालयों के साथ राष्ट्रीय कार्यालय के संपर्क को नया आयाम देने की दिशा में आगे बढ़ रहे है। इन प्रयासों का मुख्य उद्देश्य है शाखाओं के कार्यकलापों को मजबूती मिले। हमेशा से कहा गया है कि सम्मेलन प्रांतो में बसता है। उसी प्रकार यह भी सठीक मान्यता है अगर हम यह कहे कि प्रांत की उर्जा एवं उनकी सफलता शाखाओं की मजबूती में है। अतएव शाखाओं के साथ सूचनाओं का द्रुत आदान-प्रदान, उनके समुचित मार्गदर्शन, उनके कार्यों का अपेक्षित प्रोत्साहन देना प्रांतों एवं राष्ट्रीय कार्यालय का अभीष्ट होना चाहिए। मुझे आपके साथ यह साझा करने में हर्ष हो रहा है कि हम उसकी ओर बढ़ रहे है। नाना प्रकार के कदम उठाने विषय में योजनाओं को मूर्त रूप देने के लिये विचार-विमर्श चल रहा है। शीघ्र ही उनकी घोषणा की जायगी। डिजिटल एवं सोशल मीडिया के कार्यक्रमो को हम प्रांतों एवं शाखाओं के साथ साझा करेंगे। ताकि वे भी इस धारा मे जुड़ सके एवं अपनी उपस्थिति से समाज को लाभान्वित करें। उस प्रकार की सूचना क्रांति से अनेकों दिवारें ढ़ह जाएगी जो हमारे अनभिज्ञता के कारण खड़े हो गए हैं। समाज के सभी घटकों को साथ लेकर कदम से कदम मिलाते हुए अपनेपन की भावना से प्रतिद्वंदिता की जगह सहयोग करते हुए हम आगे बढ़ेंगे।

मैं सभी प्रांतों एवं शाखाओं से विनम्र अनुरोध करता हूँ कि 'समाज विकास' में प्रकाशनार्थ अपनी गतिविधियों की रपट फोटो सहित भेजने का कष्ट करें। साथ ही साथ मैं यह भी अनुरोध करूँगा कि नए शाखाध्यक्ष के निर्वाचन की सूचना नए अध्यक्ष के फोटो के साथ 'समाज विकास' में प्रकाशनार्थ अवश्य भेजें।

शाखाओं की बात चली है तो यह मैं वताते चलू कि गत दिनो मैं तीन शाखाओ से भिन्न-भिन्न कारणों से संपर्क करने का मुझे अवसर मिला। पहली बार मैने बक्सर शाखा के अध्यक्ष श्री रोहतास से दूरभाष पर बात की जब यह घोषणा हुई कि सम्मेलन के सदस्य बक्सर निवासी श्री नारायण लोहिया की पौत्री सुश्री गरिमा लोहिया ने अत्यंत महत्वपूर्ण एवं सम्मानीय सिविल सेवा परीक्षा में पूरे भारतवर्ष से दूसरा रैंक प्राप्त किया है। यह समाज के लिए अत्यंत गौरव की बात थी। मैंने बक्सर शाखा के साथ-साथ आदरणीय श्री नारायण लोहिया से भी सम्पर्क किया एवं पूरे सम्मेलन परिवार की ओर से उन्हें बधाई दी।

दूसरी शाखा बालासोर से संपर्क हुआ जब वहाँ अत्यंत दुखद व हृदय विदारक ट्रेन दुर्घटना घटी। बालासोर शाखा के अध्यक्ष श्री धर्मेन्द जी मोर से बात कर मैंने हालात की जानकारी ली। उनके नेतृत्व में बालासोर मे किए जा रहे है सेवाकार्य के लिए उनका अभिवादन किया। इस हादसा में बालासोर शाखा ने तन-मन-धन से पीड़ित मानवता की सेवा की है एवं मानवता की मिशाल कायम की है। बहुत-बहुत बधाई!

तीसरी कटक शाखा के श्री दिनेश जी जोशी एवं श्री सुरेश कमानी से पूरी में रथयात्रा के समय किए जाने वाले सेवा-कार्यों के विषय में जानकारी मिली एवं इसमें शामिल होने का सप्रेम निमंत्रण मिला, जिसे मैंने सहर्ष स्वीकार किया। रथयात्रा के समय कटक शाखा द्वारा किए जा रहे मानवसेवा प्रशंसनीय है। इसमें शामिल सभी सदस्यों का हृदय से अभिनंदन।

इस कार्यक्रम में भाग लेकर मुझे अत्यधिक प्रसन्नता हुई। कट क शाखा के द्वारा किए जा रहे सार्थक कार्यक्रम की बांनगी भी देखने को मिली। शाखाध्यक्ष श्री दिनेश जोशी, निवर्तमान अध्यक्ष श्री सुरेश कमानी, सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की कर्मठता प्रशंसनीय है। अपने शिविर के द्वारा उन्होंने मानवता की सेवा की मिसाल कायम की है। इस तरह के कार्यक्रम से आपसी मेल-जोल की भावना बलवती होती है। मैं सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं सदस्यों का अभिनंदन करता हूँ एवं मैं अपना व्यक्तिगत आभार प्रकट करता हूँ। मैं उनके प्रति कृतज्ञ हूँ कि उन्होंने मुझे इस अवसर पर इस कार्यक्रम के साथ जुड़ने का अक्सर प्रदान किया एवं आवश्यक सुमधुर व्यवस्था की।

पूर्वोत्तर के नगाँव शाखा ने सत्र २०२१-२३ की शाखा गतिविधियों को समाहित करते हुए एक विवरण पत्रिका प्रकाशित किया है। अध्यक्ष श्री ललित कुमार कोठारी, सचिव श्री संजय कुमार गाडोदिया सभी अन्य पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं सदस्यों को उनके सफल कार्यकाल के लिए मैं अपनी अतरंग बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ। पत्रिका में प्रकाशित विभिन्न गतिविधियों को सुंदर साज-सज्जा के साथ पेश किया गया है। इन सब जानकारियों से सहज में ही यह समझा जा सकता है कि **'नगाँव शाखा'** सक्रिय शाखा है। इस शाखा में राष्ट्रीय महामंत्री के बतौर मैंने दो बार तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ दौरा किया था। इस शाखा का गौरवमय इतिहास है। इस प्रकार की सूचना पुस्तिका को प्राप्त कर मैं उत्साहित हूँ।

राष्ट्रीय एवं प्रांतीय कार्यालय को मिलकर शाखाओं को मजबूत बनाना है। उनकी गतिविधियों को गति एवं शक्ति देने के लिए आवश्यक सुझाव आमंत्रित है।

जय समाज, जय राष्ट्र!

पवित्र रथयात्रा महोत्सव पर दो दिवसीय सेवा शिविर संपन्न

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की कटक शाखा द्वारा पूरी में श्री जगन्नाथ रथयात्रा के पावन महोत्सव पर आयोजित दो दिवसीय निःशुल्क सेवा शिविर सम्मेलन के केंद्रीय, प्रांतीय, कटक शाखा के पदाधिकारीगण, मातृशक्ति, सदस्यों, दानदाताओं एवं कर्मठ कार्यकर्ताओं की उपस्थिति एवं सहयोग से सुसंपन्न हुआ।

रथयात्रा की पूर्व संध्या पर भजन संध्या द्वारा शिविर की शुरुआत हुई, जिसमें कटक से पधारे सुप्रसिद्ध भजन गायक सर्वश्री दिनेश जोशी, निर्मल पुर्वा, सुनील पप्पू सांगानेरिया, कमल वशिष्ट, यशवंत चौधरी, अंजनी कुमार अग्रवाल एवं अन्य ने उपस्थित सैकड़ों भक्तों को हिंदी एवं उड़िया भजनों से मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर सम्मेलन द्वारा शिविर में आनेवाले श्रद्धालुओं को मिल्क रोज (शर्बत), चाय एवं शीतल पेय जल का वितरण किया गया।

दूसरे दिन सुबह ६ बजे से ही सेवा शिविर में भक्तों के लिए उपमा, घुघनी, अन्न, दालमा, खट्टा, हलवा, बिस्कुट, शीतर पेय जल, पैकट जूस, नींबू पानी, दही पानी एवं अन्य शीतल शर्बत आदि का निःशुल्क वितरण करने की सेवा शुरू कर दी गई जो रात्रि ९ बजे तक निरंतर चलती रही। करीब ३० हजार श्रद्धालुओं को यह निःशुल्क सेवा दी गई। ज्ञात हो कि इस सेवा शिविर में सत्संग महिला मंडल के सदस्यों समेत १०० से अधिक कर्मठ कार्यकर्ता दो दिन पूरी में रहकर सेवा-कार्य करते हैं।

इस अवसर पर सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया समेत प्रांतीय पदाधिकारियों ने भी अपनी सेवा सहित गौरवमयी उपस्थिति दर्ज कराई। सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री लोहिया जी को कटक शाखा के अध्यक्ष श्री दिनेश जोशी, महासचिव श्री सुभाष केडिया, कोषाध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष श्री सुरेश कमानी समेत सभी पदाधिकारी एवं कर्मठ कार्यकर्ताओं ने पुष्प-गुच्छ, शॉल एवं स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार भट्टर सहित कटक शाखा के अध्यक्ष विजय अग्रवाल एवं प्रीतम हलवासिया भी मौजूद थे, जिन्हें कटक शाखा के पदाधिकारियों ने उत्तरीय पहनाकर सम्मानित किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने के बाद श्री लोहिया जी का यह पहला दौरा कटक शाखा के रथयात्रा शिविर पूरी जगन्नाथ धाम से हुआ है इसपर उत्कल प्रांत के पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि श्री लोहिया जी का कार्यकाल सम्मेलन के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा।

सम्मेलन के केंद्रीय एवं प्रान्तीय पदाधिकारियों ने कट क शाखा को भगवान जगन्नाथ के श्री क्षेत्र में रथयात्रा दिवस पर उनकी टीम द्वारा किए जा रहे जनकल्याण, जनहित कार्य की प्रशंसा की एवं कटक शाखा के वरिष्ठ सलाहकार सदस्य सर्वश्री मदनलाल कांवटिया, मोहनलाल सिंघी, सत्यनारायण भरालेवाला, देवकीनंदन जोशी आदि को अंगवस्त्र से सम्मानित करते हुए कटक शाखा को अपना स्नेहिल आशीर्वाद दिया। पूरे समय तक राष्ट्रीय अध्यक्ष महोदय ने बढ़-चढ़कर शिविर में हिस्सा लिया एवं सभी कार्यकर्ताओं को ऐसे सेवा कार्य हेतु प्रेरित किया।

सम्मेलन के उपाध्यक्ष अशोक चौबे 'चंडी भाई' (रथयात्रा शिविर, संयोजक), राजकुमार सुल्तानिया (सह-संयोजक), कमल अग्रवाल 'मुन्ना भाई', रमेश चौधरी, पवन चौधरी, जोगिंदल अग्रवाल, कार्तिक अग्रवाल सहित अनेकों कर्मठ सदस्यों, कार्यकर्ताओं, मातृशक्ति, दानदाताओं के सहयोग से यह सेवा-शिविर सफल हुआ। कटक शाखा के अध्यक्ष श्री दिनेश जोशी एवं जनसंपर्क अधिकारी श्री निर्मल पुर्वा ने सभी प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष सहयोगियों को धन्यवाद एवं साधुवाद ज्ञापित किया।

इस सेवा शिविर में सम्मेलन के सर्वश्री राजकुमार शर्मा, श्रीगोपाल पेडीवाल, रामोतार मोड़ा, महेश जोशी, विष्णु जोशी, विनोद कांवटिया, विनोद अग्रवाल 'मुन्ना भाई' विजय राजगढ़िया, रविशंकर शर्मा, शैलेश कानोड़िया, वेदप्रकाश अग्रवाल, बिमल जोशी, राजीव कमानी, सुशील शर्मा, गोविंद पासोरिया, अशोक अग्रवाल, अमित जालान, प्रेम पारीक, कैलाश पारीक, कन्हैया कमानी, अमित शर्मा, पशुपति अग्रवाल, अनुज अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, कान्हु जोशी, विष्णु चौधरी, सूरज लढानिया, दिनेश कांवटिया, अशोक चौधरी, गोविंद उपाध्याय, सुश्री किरण सुल्तानिया, सुश्री उषा लाडसरिया, सुश्री संगीता उपाध्याय, सुश्री श्वेता लढानिया, सुश्री शिवानी शर्मा सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल से मारवाड़ी सम्मेलन के शिष्टमंडल की भेंट

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने सम्मेलन के कार्यों एवं उद्देश्यों से अवगत कराया

सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने पश्चिम बंगाल के महामहिम राज्यपाल डॉ. सी.वी. आनंद बोस को पुष्प गुच्छ भेंटकर व पारंपरिक राजस्थानी पगड़ी आदि पहनाकर उनका अभिवादन किया और सम्मेलन के कार्यों एवं उद्देश्यों से उन्हें अवगत कराया। श्री लोहिया ने महामहिम को सम्मेलन द्वारा उच्च शिक्षा में आर्थिक अनुदान, रोजगार दिलवाने, मारवाड़ी भाषा, साहित्य व संस्कृति के विकास हेतु बहुविध प्रयास, आपदा में बचाव एवं राहत कार्य, सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन हितार्थ किए जा रहे प्रयासों और कार्यों के बारे में विस्तार से बताया। महामहिम राज्यपाल ने सम्मेलन के कार्यों की प्रशंसा की एवं सम्मेलन के २७वें राष्ट्रीय अधिवेशन के सफल आयोजन हेतु बधाई दी। सम्मेलन के शिष्टमंडल ने महामहिम राज्यपाल को सम्मेलन से प्रकाशित होने वाली मासिक पत्रिका 'समाज विकास' का मई अंक एवं अन्य प्रकाशित सामग्री भेंट की। राज्यपाल के साथ भेंटवार्ता में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री दिनेश कुमार जैन, राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री पवन जालान शामिल थे।

महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्ष ने निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गाड़ोदिया से की भेंट

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती नीरा बथवाल, राष्ट्रीय सचिव श्रीमती रूपा अग्रवाल एवं राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती गीता डालमिया ने सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया एवं उनकी पत्नी श्रीमती सुशीला गाड़ोदिया से उनके आवास पर भेंट कर सफल कार्यकाल हेतु बधाई दी। वार्तालाप के दौरान समाज में आ रही कुरीतियों एवं विसंगतियों यथा – १. प्री-वेडिंग फोटो शूट, २. सामाजिक समारोहों में मद्यपान, ३. विवाह की बढ़ती उम्र, ४. वैवाहिक संबंधों में टकराव, ५. संबंध – विच्छेद की बढ़ती घटनाएँ, ६. घर में बुजुर्गों के प्रति घटता सम्मान आदि के निराकरण हेतु चर्चा हुई। श्रीमती नीरा जी ने अपनी सहमति देते हुए पूर्ण सहयोग का विश्वास व्यक्त किया। श्री राजकुमार केडिया जी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनने पर उन्हें बधाई दी।

पूर्व राष्ट्रपति के साथ उत्तर प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष एवं महामंत्री की शिष्टाचार भेंट

पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद जी को कानपुर प्रवास के समय प्रादेशिक अध्यक्ष श्री श्रीगोपाल तुलस्यान एवं प्रादेशिक महामंत्री श्री टीकमचंद सेठिया द्वारा मारवाड़ी सम्मेलन के कार्यों की जानकदारी दी और सम्मेलन द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका 'समाज विकास' का मई २०२३ अंक भेंट की।

लक्ष्मण नेवटिया को मिला गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड

पूर्वजों की भूमि फतेहपुर शेखावाटी व वर्तमान में बिराट नगर निवासी मारवाड़ी, हिंदी, नेपाली भाषा के साहित्यकार लक्ष्मण नेवटिया के विश्व की किसी एक ही दैनिक राष्ट्रीय स्तर की पत्रिका उद्घोष विराटनगर, नेपाल में एक ही साहित्यकार की स्वलिखित ९२१ कविता (प्रकाशन अवधि १९ अगस्त २००६ से ११ जून २०२३) के वर्ल्ड रिकार्ड के लिए गोल्डेन बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड का सार्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया है। नेवटिया राजस्थानी, हिंदी और नेपाली भाषा में पिछले दशकों से लगातार लिखते आ रहे हैं। इनकी अब तक आठ पुस्तकें राजस्थानी, हिंदी और नेपाली भाषा में प्रकाशित हो चुकी हैं तथा दो पुस्तकें अभी प्रेस में हैं। आपके संपादन में नेपाल के करीब चौंवालिस कवियों का एक राजस्थानी कविता संग्रह भी प्रेस में है। लक्ष्मण जी को फतेहपुर में १९९५ में नागरमल धानुका सरस्वती सम्मान भी मिल चुका है। इन्हें नेपाल में कई साहित्यिक पुरस्कार तथा सम्मान मिल चुके हैं।

हमारे नवनिर्वाचित शाखाध्यक्ष

शाखा : नार्थ लखिमपुर, पूर्वोत्तर

श्री बलवान शर्मा

श्री बलवान शर्मा के पूर्वज कई दशक पहले हरियाणा के जींद से तिनसुकिया में आकर बस गए। इनका जन्म १९५७ में तिनसुकिया में हुआ। आपके पूर्वज १९६६ में नए व्यापार की तलाश में नार्थ लखीमपुर आए और यहीं बस गए। अपनी लगन व मेहनत तथा परमपिता के आशीर्वाद से आपने यहां समाज में अपना एक विशिष्ट स्थान बनाया। प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले श्री श्याम महोत्सव व जन्मोत्सव कार्यक्रम में श्री बलवान शर्मा की अग्रिम भूमिका रहती है। आप कई सामाजिक संस्थाओं में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। गत कुछ वर्षों से सम्मेलन में भी सक्रिय रूप से जुड़कर सम्मेलन के मुहिम को आगे बढ़ा रहे हैं।

शाखा : गुवाहाटी, पूर्वोत्तर

श्री शंकर बिड़ला

श्री शंकर बिड़ला जी का जन्म २२ जनवरी १९६९ को हुआ। आपका पैतृक निवास राजस्थान के सीकर जिले के लोसल में है। आपने बी. कॉम. तक की शिक्षा राजस्थान के सीकर जिले से पूरी की। आपका विवाह श्रीमती संतोष देवी बिड़ला से हुआ। श्री बिड़ला दंपत्ति को दो संताने पुत्री कृति बिड़ला एवं पुत्र तुषार बिड़ला हैं। श्री बिड़ला का बिल्डिंग मैटरियल का व्यवसाय गुवाहाटी में है। आप पिछले दो दशकों से समाजसेवा मूलक कार्यों में अपना योगदान दे रहे हैं। माहेश्वरी युवा संगठन गुवाहाटी शाखा अध्यक्ष (२००८-१०), लायंस क्लब कामरूप शाखा अध्यक्ष (२०११-१३), पूर्वोत्तर प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन, अध्यक्ष (२०१२-१५) आदि अनेक संस्थाओं में अपनी सेवाएँ दी हैं।

शाखा : शिलांग, पूर्वोत्तर

श्री कुंज बिहारी अजमेरा

श्री कुंज बिहारी अजमेरा के पूर्वज १९३२ में नए व्यापार की तलाश में जयपुर से शिलांग आए और यहीं बस गए। आपका जन्म १९६२ में राजस्थान में हुआ। अपनी लगन, मेहनत व पिता स्व. मूलचंद जी अजमेरा और बड़े भाई श्री दामोदर प्रसाद जी अजमेरा के आशीर्वाद से आपने शिलांग में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई।

आप श्री राजस्थान विश्राम भवन के पिछले ११ वर्षों से निर्विवाद सचिव बने हुए है। इसी के साथ अन्य कई सामाजिक संस्थाओं से जुड़कर समाजसेवा के कार्य कर रहे हैं। आप पिछले कुछ वर्षों से सम्मेलन के कार्यों में बढ़-चढ़कर अपनी सेवाएँ दे रहे हैं।

सिक्किम प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन इकाई का गठन

श्री रमेश पेड़ीवाल बने संस्थापक अध्यक्ष

सिक्किम प्रांत में सम्मेलन के प्रादेशिक शाखा का गठन **श्री रमेश पेड़ीवाल** जी के नेतृत्व में हुआ। राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री पवन जालान जी के सिक्किम आगमन पर गठन की कार्यवाही आगें बढ़ी। आपसी विचार-विमर्श कर सर्व-सम्मति से **श्री सुरेश कुमार अग्रवाल** को महामंत्री एवं **श्री ओम प्रकाश थिरानी** को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री रमेश पेड़ीवाल ने राष्ट्रीय पदाधिकारियों एवं पूर्वोत्तर प्रदेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रति आभार ज्ञापित किया और अपने वक्तव्य में कहा कि सिक्किम में सम्मेलन के संगठन विस्तार और समाजहित के कार्यक्रमों को गति देने के लिए मैं यथासम्भव प्रयास करूंगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने श्री रमेश पेडीवाल को सिक्किम प्रादेशिक सम्मेलन का अध्यक्ष बनने पर शुभकामनाएँ दीं और सिक्किम प्रांत के गठन में पूर्वोत्तर के प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश चंद काबरा जी के प्रयासों की सराहना की। राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने पूर्वोत्तर प्रांत और उससे जुड़े सभी लोगों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें हार्दिक दन्यवाद दिया। पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के उपाध्यक्ष (मुख्यालय) श्री रमेश कुमार चांडक ने सिक्किम प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन को अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित की।

संक्षिप्त परिचय : श्री रमेश कुमार पेड़ीवाल

श्री रमेश कुमार पेड़ीवाल जी ने वकालत की पढ़ाई में स्वर्ण पदक हासिल किया है। आपने ५० साल पूर्व गंगटोक में सार्वजनिक संस्था की स्थापना के साथ समाजसेवा के क्षेत्र में कदम रखा। श्री पेड़ीवाल जी राज्य सिविल डिफेंस, सिक्किम चैंबर ऑफ कॉमर्स, सिक्किम दिव्यांग सहायता समिति, सिक्किम केमिस्ट एसोसिएशन, राज्य फार्मेसी कॉउंसिल, सिक्किम माहेश्वरी सभा, सिक्किम कल्याण आश्रम, सिक्किम ब्लाइंड एसोसिएशन, श्री हनुमान टोक मंदिर समिति, एकल श्री हरि सत्संग समिति एवं इस तरह की कई सामाजिक संस्थाओं में उच्च पदों पर रहते हुए अनेकों कार्य किए।

श्रीमान रमेश जी ७ साल तक 'सिक्किम माहेश्वरी सभा' के अध्यक्ष रह चुके हैं। इसके अलावा आप राष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं यथा अखिल भारतीय दवा विक्रेता संघ, अखिल भारतीय माहेश्वरी सभा, अखिल भारतीय श्री हरि सत्संग समिति एवं भारतीय संस्कृति सभा में भी आपने अपना योगदान दिया है।

सिक्किम दिव्यांग सहायता समिति में आपने करीब २२ सालों तक दिव्यांगों के सर्वांगीण विकास, शिक्षण, आत्मनिर्भरता आदि पर बहुत ही सराहनीय प्रयास किया। सामाजिक जीवन की शुरुआत से लेकर अबतक आपने अपनी लगन व मेहनत से सामाजिक कार्यों में जो सुकीर्ति अर्जित की है, वह आपके सेवा-भाव के प्रति समर्पण को दिखाता है।

आपकी सामाजिक कर्तव्यबोधता को देखते हुए सिक्किम सरकार ने आपको कई सरकारी समितियों में पदेन सदस्य के रूप में मनोनीत किया है।

आपको सिविल डिफेंस मेडल, मारवाड़ी नागरिक सम्मान, एलुमनी सम्मान, कोरोना योद्धा सम्मान एवं कई सम्मानों से सम्मानिक किया जा चुका है। आपको विश्व मानवाधिकार सुरक्षा आयोग द्वारा मानद डॉक्टरेट की उपाधि से अलंकृत किया गया है।

सामाजिक क्षेत्र में आपके महत्वपूर्ण योगदान को देखते हुए गत २६ सितंबर २०२१ को दिल्ली में आयोजित एक भव्य समारोह में दुनियाभर की जानी-मानी हस्तियों की उपस्थिति में एक प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

फरवरी २०२३ में आपने अपने पैतृक गांव अनूपशहर, राजस्थान में एक शानदार धर्मशाला का निर्माण करवाकर गांव की पंचायत को सौंपा, जिससे गाँव की वर्षों की जरूरत पूरी हुई। साथ ही गाँव की गौशाला के विकास के लिए भी अपना सहयोग दिया।

१२ जून २०२३ को श्री रमेश पेड़ीवाल जी को अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन, सिक्किम प्रांत इकाई के संस्थापक अध्यक्ष का दायित्व मिला है।

IAC
SINCE 1959

ISO 9001:2015
ISO 14001:2015
ISO 45001:2018
NABL Accredited Lab

POWERING 35 NATIONS ACROSS THE WORLD

IAC Electricals Pvt Ltd is the one stop solution for providing innovative product and services to the electric power utility since 1959

PRODUCTS & SERVICES OFFERED:

- Transmission line and substation insulator fittings up to 1200 kV AC and 800 kV HVDC
- Conductor and groundwire accessories
- HTLS conductor accessories and Sub zero hardware fittings
- OPGW cable fittings
- Pole/Distribution line hardware
- AB Cable and ADSS cable accessories
- Substation clamps and connectors
- Conductor, Insulator and hardware testing facility

Transmission line and distribution line hardware fittings,
IEC/ISO 17025/2015 NABL accredited laboratory for conductor, insulator and hardware fittings type testing.

www.iacelectricals.com info@iacelectricals.com

701, Central Plaza, 2/6, Sarat Bose Road, Kolkata - 700020

PH: 033 - 4004 4089 Website: www.marwarisammelan.in Email: aimf1935@gmail.com

ESTD. 1935

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

ALL INDIA MARWARI FEDERATION

(Regd under W.B. Societies act XXVI of 1961)
4B, Duckback House (4th Floor), 41, Shakespeare Sarani, Kolkata – 700 017

राष्ट्रीय अध्यक्ष
शिव कुमार लोहिया
9830553456

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
केदार नाथ गुप्ता
9830648056

राष्ट्रीय महामंत्री
कैलाशपति तोदी
9830044079

अ.भा.मा.स./१९/२०२३-२४ १३ जून २०२३

अखिल भारतीय समिति के सभी सदस्यों की सेवा में

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सर्वोच्च नीति निर्धारक अखिल भारतीय समिति के नए सत्र की प्रथम बैठक आगामी ०९ जुलाई २०२३ (रविवार) को सुबह ११.०० बजे, हिंदुस्तान क्लब (४/१, शरत बोस रोड, कोलकाता - ७०००२०) में निम्नलिखित विषयों पर विचारार्थ आयोजित की गई है। बैठक का सभापतित्व सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया करेंगे।

बैठक में आपकी उपस्थिति सादर निवेदित है।

भवदीय,

कैलाशपति तोदी

(कैलाशपति तोदी)
राष्ट्रीय महामंत्री

विचारार्थ विषयः

१. अध्यक्षीय संबोधन।
२. अखिल भारतीय समिति की गत बैठक का कार्यवृत (संलग्न) पारित करना।
३. विगत कार्यकलापों एवं २७वें राष्ट्रीय अधिवेशन पर महामंत्री की संक्षिप्त रपट।
४. संविधान की धारा १० (१) के अंतर्गत राष्ट्रीय कार्यकारिणी तथा धारा ९ (१६) के अंतर्गत विभिन्न उपसमिति के गठन के निर्णय।
५. बैंक खाता संचालन संबंधी प्रस्ताव पारित करना।
६. भावी कार्यक्रमों पर विचार-विमर्श।
७. विविध - अध्यक्ष की अनुमति से।

प्रादेशिक समाचार : पूर्वोत्तर

मुख्यमंत्री से मिला पूप्रमास व पूप्रमायुमं का प्रतिनिधिदल

ऊपरी असम के डिब्रूगढ़ जिले में गत ८ मई २०१४ को असम मेडिकल कॉलेज में हुए डॉ. सरिता तोषनीवाल हत्याकांड का निर्णय १८ मई २०२३ को डिब्रूगढ़ सेशन अदालत द्वारा दे दिया गया है। इस मामले में दो अभियुक्त थे कीरू मेस और डॉ. दीपमोनी सइकिया। जहाँ कीरू को आजीवन कारावास की सजा दी गई। वहीं मुख्य अभियुक्त डॉ. सइकिया को बरी कर दिया गया। इस निर्णय से डॉ. सरिता के परिजन एवं समस्त मारवाड़ी समाज आहत है। इस निर्णय को उच्च न्यायालय में चुनौती देने की तैयारियां चल रही हैं। प्रांतीय संगठन मंत्री विमल अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिला अदालत के निर्णय के उपरांत कोर्ट-आर्डर की आधिकारिक कॉपी प्राप्त करने में सम्मेलन के मंडल 'क' के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. महेश जैन एवं सहायक मंत्री राज कुमार अग्रवाल की भूमिका अहम रही।

इसी सिलसिले में डॉ. सरिता के पिता किशन लाल तोषनीवाल अपने छोटे भाई अमर चंद तोषनीवाल एवं सम्मेलन की शिवसागर शाखा के सचिव रूप चंद करनानी के साथ केस के कागजात के साथ गुवाहाटी में हैं। सम्मेलन के प्रांतीय संयुक्त मंत्री मनोज काला की अगुवाई में गत २ जून २०२३ को भाजपा के असम प्रदेश के कोषाध्यक्ष राजकुमार शर्मा के सहयोग से डॉ. सरिता के परिजनों एवं रूप चंद करनानी के द्वारा उच्च न्यायालय में चुनौती हेतु आवश्यक कागजात राज्य के गृह विभाग के सुपुर्द किए गए।

सम्मेलन के प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) रमेश चांडक ने बताया कि गत शनिवार पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन (पूप्रमास) एवं पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच (पूप्रमायुमं) के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा के नेतृत्व में डॉ. सरिता के पिता किशन लाल तोषनीवाल, सम्मेलन के प्रांतीय महामंत्री विनोद कुमार लोहिया, युवा मंच की प्रांतीय कोषाध्यक्ष प्रेरणा सेठिया एवं प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य गौतम गोयनका ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा से जनता भवन में मुलाकात कर ज्ञापन सौंपते हुए एस. आई. टी. द्वारा पुनः जाँच की माँग की। मुख्यमंत्री ने पूरी बात गंभीरता से सुनते हुए आश्वस्त किया कि जिला अदालत के निर्णय को उच्च न्यायालय में चुनौती दी जाएगी एवं पुनः जाँच की संभवनाओं को तलाशा जाएगा। सम्मेलन के अध्यक्ष श्री काबरा ने डॉ. सरिता के पिता किशन लाल तोषनीवाल को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया इस आशय की जानकारी सम्मेलन के प्रांतीय मीडिया सेल के संयोजक विवेक सांगानेरिया ने दी।

प्रादेशिक समाचार : उत्तराखंड

निर्जला एकादशी पर सेवा-कार्य

निर्जला एकादशी पर्व पर बैरागी कैंप में गुलाब सर्बत का स्टॉल लगाया गया, जिसमें लगभग ४००० श्रद्धालुओं ने इसका लाभ लिया। कार्यक्रम में संस्था के सदस्यों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री संतोष जी खैतान, श्री संजय जी जाजोदिया, श्री रंजीत जी टिबरेवाल, श्री अजय जी शर्मा, श्री सुशील जी चोखानी, श्री दीपक जी मोर आदि की महती भूमिका रही।

उत्तराखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन ने आयोजित किया रक्तदान शिविर

उत्तराखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा प्रथम महारक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन रानीपुर के विधायक श्री आदेश जी चौहान ने किया। इस दौरान ७२ दानदाताओं ने रक्तदान कर दूसरों के जीवन को बचाने में अपना बहुमूल्य योगदान दिया। साथ ही एम्स ऋषिकेश एवं माँ गंगे ब्लड बैंक मेडिकल टीम ने अपना पूर्ण सहयोग देकर शिविर को सफल बनाया। 'अमर उजाला फाउंडेशन' मीडिया पार्टनर के रूप में इस रक्तदान अभियान में जुड़ा था। रक्तदान शिविर में रक्तदान कर कार्यक्रम को सफल बनाने में महती भूमिका रही मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री संतोष जी खेतान, महामंत्री श्री संजय जी जाजोदिया, सचिव श्री अजय जी शर्मा, कोषाध्यक्ष श्री राम जी केजरीवाल एवं श्री मुकेश शर्मा, श्री पवन सिन्दोलिया, श्री मनोज गोयल, श्री गौरव जैन, श्री विनीत जालान, श्री विनोद जी अग्रवाल, श्री लक्ष्मण सिंह राठौर, श्री संयम कोठारी, श्री अमित टिबरेवाल आदि ने की।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे अवदूत मंडल के महामंडलेश्वर श्री संतोषानंद जी गिरी एवं अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री रंजीत जी जालान।

प्रादेशिक समाचार : उत्कल

सम्मेलन की सराहनीय पहल

यह सत्य है कि दिवंगत लोगों की जिंदगी लौटकर नहीं आ सकती, परंतु उनके पीड़ित परिवारों की मानवीय सेवा के आधार पर उनके शोक में सम्मिलित अवश्य हुआ जा सकता है। ऐसा ही कार्य कर दिखाया है उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने। शुक्रवार की रात जब भीषण रेल दुर्घटना की जानकारी मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया को मिली तब उन्होंने तत्काल सम्मेलन के ओडिशा प्रांत के अध्यक्ष गोविंद अग्रवाल से संपर्क किया तथा घटना के विषय में जानकारी प्राप्त की।

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की प्रांतीय इकाई ने भी तत्परता दिखाते हुए अनेक स्वयंसेवक को घटना स्थल पर भेज सहायता का कार्य प्रारंभ किया। तत्काल ही पेयजल तथा अल्पाहार की व्यवस्था की गई। साथ ही उत्कल प्रांत ने ओडिशा के अपने हजारों सदस्यों के लिए यह घोषणा की कि यदि किसी सदस्य की इस हादसे में मृत्यु हुई हो तो उनके परिवार को सम्मेलन की तरफ से पाँच लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। साथ ही यदि कोई सदस्य गंभीर रूप से घायल हुआ हो तो संस्था उसके इलाज के लिए पचास हजार रुपए की नकद सहायता राशि सीधे उसके हॉस्पिटल में ट्रांसफर कर देगी। यदि किसी सदस्य की मृत्यु हो गई हो और उसके परिवार में कोई कमाने वाला व्यक्ति नहीं है तो उसके बच्चों की पढ़ाई का सारा खर्च उत्कल प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन उठाएगा। इस दुर्घट ना के बाद जिस तरह से सम्मेलन की बालेश्वर शाखा ने लगातार घायलों एवं उनके परिवार के सदस्यों को खाद्य सामग्री के साथ अन्य सहयोग प्रदान कर अपना योगदान दिया उसके लिए उत्कल प्रांतीय इकाई की तरफ से बालासोर शाखा को तत्काल पचास हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान की गई।

इधर घटना की गंभीरता को देखते हुए पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के जनसेवा समिति के संयोजक प्रदीप भुवालका ने राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मधुसूदन सीकरिया के मार्फत सम्मेलन की उत्कल प्रांत के प्रादेशिक अध्यक्ष डॉ. गोविंद अग्रवाल से संपर्क कर पूर्वोत्तर प्रांतीय इकाई की तरफ से पीड़ितों के सहायतार्थ हर संभव सहयोग प्रदान करने की पेशकश की।

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. गोविंद अग्रवाल ने बालासोर शाखा के अध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र मोर जी, पदाधिकारिओं एवं सभी सदस्यों, मारवाड़ी युवा मंच तथा मारवाड़ी महिला मंच की सुश्री निशा मोदी को विशेष रूप से धन्यवाद दिया। डॉ. अग्रवाल ने अन्य राज्यों के मारवाड़ी सम्मेलन की शाखाओं को धन्यवाद दिया और पूर्वोत्तर प्रदेशीय इकाई द्वारा आर्थिक मदद के प्रस्ताव पर उनकी सराहना की। इसकी जानकारी उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के बालासोर शाखा के महामंत्री श्री गौरव राठी ने दी।

शाखा समाचार : कटक, उत्कल

कटक शाखा द्वारा घायल यात्रियों के लिए मेडिकल कैंप

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की कटक शाखा ने बालेश्वर के पास बहानगा में भयंकर हृदय विदारक रेल हादसा के त्रासदी में घायल हुए यात्रियों के लिए कटक स्थित एस. सी. बी. मेडिकल में श्री दिनेश जोशी के नेतृत्व में अपने सदस्यों के साथ दौरा किया। PII फार्मा के श्री विजय क्याल के सहयोग से घायलों को एवं उनके परिजनों के बीच में ओ. आर. एस. तथा शीतल जल का वितरण किया और उन्हें मेडिकल सहयोग

दिया। इसी के साथ जनमानस से इस भयंकर त्रासदी में रक्तदान करने का आह्वान किया। सम्मेलन के कर्मठ कार्यकर्ता मनोज विजयवर्गीय ने स्वेच्छा से रक्तदान किया एवं अन्य जन को भी प्रेरित करके रक्तदान करवाया। उपर्युक्त कार्यक्रम में सम्मेलन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सर्वश्री कमल सिकरिया, राजकुमार शर्मा, पवन चौधरी, सम्मेलन के सदस्य सर्वश्री मनोज विजयवर्गीय, विजय क्याल, बबली बथवाल, कटक शाखा के सचिव श्री सुभाष केड़िया, जनसंपर्क अधिकारी श्री निर्मल पूर्वा, मीडिया प्रभारी श्री रवि शंकर शर्मा, मेडिसिन डिपार्टमेंट के प्रोफेसर डॉक्टर जयंत पंडा ने अपनी सेवाएँ दीं।

प्रादेशिक समाचार : कर्नाटक

सम्मेलन के प्रांतीय एवं उसकी बेंगलूरू व महिला शाखा के पदाधिकारियों ने ली शपथ

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की प्रांतीय इकाई कर्नाट क प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के बेंगलूरू शाखा, महिला इकाई परिधि शाखा के नई पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। सम्मेलन के प्रांतीय, बेंगलूरू व महिला शाखा के पदाधिकारियों ने वैश्य फेडरेशन के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बिपिनराम अग्रवाल, माहेश्वरी समाज के सुरेश लखोटिया, गौड़ ब्राह्मण संघ के अध्यक्ष चुन्नीलाल नाथोलिया के साथ दीप प्रज्ज्वलन किया। अध्यक्ष सुभाष अग्रवाल ने सभी का स्वागत किया। कर्नाट क प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सर्वश्री रमाकान्त सराफ, उपाध्यक्ष सीताराम अग्रवाल, रमेश भाऊवाला, सतीश मित्तल, गौरीशंकर गुप्ता, एस. के. मित्तल मैसूर, महामंत्री शिव कुमार टेकड़ीवाल, मंत्री संजय चौधरी, कोषाध्यक्ष महेश

अग्रवाल, कार्यकारिणी सदस्य प्रकाश चौधरी, बिनोद गोयल को सुभाष अग्रवाल ने शपथ दिलवाई। बेगलूरू शाखा के अध्यक्ष सर्वश्री अरुण खेमका, उपाध्यक्ष गंगाधर मोर, रमेश टिबरेवाल, विकास पोद्दार, सचिव पंकज जालान, सह-सचिव गोपाल कुमार, कोषाध्यक्ष प्रिन्स जैन, सह-कोषाध्यक्ष अमित मोदी, सदस्यता विस्तार समिति के जयकिशन बजाज, गजेन्द्र अग्रवाल, दक्षिणी क्षेत्र प्रभारी प्रकाश मित्तल, उत्तरी क्षेत्र प्रभारी संजय जाजोदिया, पूर्वी क्षेत्र प्रभारी दिनेश, पश्चिमी क्षेत्र प्रभारी सुनील शाह सहित अनेक कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ दिलवाई। परिधि महिला शाखा की अध्यक्ष श्रीमती माया अग्रवाल, उपाध्यक्ष निर्मला गोयल, लता चौधरी, सचिव शालिनी अग्रवाल, सह-सचिव विनीता अग्रवाल, सह-सचिव पल्लवी पोद्दार, कोषाध्यक्ष हेमलता सांवरिया, सलाहकार मंजू अग्रवाल, दक्षिणी क्षेत्र प्रभारी पूजा अग्रवाल, पूर्वी क्षेत्र प्रभारी ऋतु अग्रवाल सहित कार्यकारिणी सदस्याओं को शपथ दिलवाई गई। अनेक वरिष्ठ सदस्यों का सम्मान किया गया।

कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के संविधान पुस्तिका का विमोचन सम्मेलन के पदाधिकारियों एवं विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों ने किया। इस मौके पर अनेक लोगों ने अपने विचार व्यक्त किए। महामंत्री शिवकुमार टेकड़ीवाल ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी देते हुए संचालन किया।

शाखा समाचार : नॉर्थ लखीमपुर, पूर्वोत्तर

शपथ ग्रहण कार्यक्रम संपन्न

मारवाड़ी सम्मेलन नॉर्थ लखीमपुर शाखा की वार्षिक आम सभा व नई कार्यकारिणी समिति सत्र २०२३-२५ के सदस्यों का शपथ ग्रहण कार्यक्रम स्थानीय युवा मंच भवन के राठी प्रेक्षागृह में आयोजित किया गया। इस सभा की अध्यक्षता शाखाध्यक्ष श्री बलवान शर्मा ने की। सभा में शाखाध्यक्ष श्री बलवान शर्मा, निवर्तमान अध्यक्ष माणिक लाल दम्माणी उपस्थित रहे। नई कार्यकारिणी में सर्वश्री रंजू शाह को सचिव, देवानंद शर्मा को कोषाध्यक्ष, राजेश मालपानी, नरेश दिनोदिया व राज कुमार सराफ को उपाध्यक्ष, राज चौधरी को संयुक्त सचिव और महावीर लोहिया को सह सचिव का दायित्व दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित सदस्य रामेश्वर तापड़िया, नंद किशोर राठी व गोपाल चौधरी ने सभा के समक्ष अपने विचार रखे। मारवाड़ी युवा मंच के ओर से निवर्तमान शाखा अध्यक्ष आरव लखोटिया, सचिव विक्रम मूंधड़ा, कोषाध्यक्ष अनिल लद्धड़ सहित कई कार्यकारिणी सदस्यों ने सभा में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। नव निर्वाचित अध्यक्ष के संबोधन के पश्चात मंत्री राज कुमार सराफ ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

प्रादेशिक समाचार : बिहार

गर्मी में सत्तू और नींबू पानी पीने के बाद राहत महसूस कर रहे राहगीर

तपिश के बीच राहगीर सत्तू एवं नींबू पानी पीकर राहत महसूस कर रहे हैं। यह पुनीत काम बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन नगर शाखा द्वारा किया जा रहा है। गुरुवार को संस्था द्वारा इमलीचट्टी में अभियान चलाकर राहगीरों को शीतल पेय, सत्तू, नींबू पानी पिलाया गया। नगर शाखा के युवा कार्यकर्ताओं के साथ-साथ सम्मेलन के वरीय सदस्यों ने भी इस कार्य में योगदान दिया। कार्यक्रम की शुरुआत शिशु रोग विशेषज्ञ डा. राम गोपाल जैन, शल्य चिकित्सक डा. एन. के. मिश्रा, संगठन के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष डा. रमेश कुमार केजरीवाल ने की। सेवा देने वालों में शाखा अध्यक्ष श्याम सुंदर भरतिया ने कहा कि गर्मी के मौसम में राहगीरों को नींबू पानी, सत्तू, शरबत, पेय जल आदि उपलब्ध कराना हम सभी का कर्तव्य है। शाखा द्वारा प्रतिदिन अलग-अलग जगहों पर कार्यक्रम किया जा रहा है। इस कार्य में विश्वनाथ भरतिया, कृष्ण कुमार अग्रवाल, गोविंद भिवानीवाला, पप्पू बंका, गरीब नाथ बंका, श्रावण सर्राफ, सूरज जालान, सज्जन शर्मा, संदीप अग्रवाल, प्रकाश केजरीवाल, गणेश पोद्दार, निर्मल बजाज, सज्जन नेमानी, सुभाष बिंजराजका, प्रदीप तुलस्यान, अनिल तुलस्यान, निरंजन तुलस्यान, विजय शर्मा, सुरेश जालान एवं मीडिया प्रभारी सज्जन शर्मा ने योगदान दिया।

शाखा समाचार : नगाँव, पूर्वोत्तर

नगाँव शाखा, पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान शाखाध्यक्ष श्री ललित कुमार कोठारी ने सत्र २०२१-२३ की **'शाखा गतिविधि'** फोटो सहित पूरे विवरण के साथ एक **'सूचना पुस्तिका'** में प्रकाशित की है, जिसकी एक प्रति राष्ट्रीय अध्यक्ष के माध्यम से राष्ट्रीय कार्यालय को प्राप्त हुई है। शाखा की गतिविधि यथा शपथ ग्रहण समारोह, वैक्सीनेशन कैंप, योगा फॉर आल मेंटल हेल्थ, सम्मेलन के ८७वें स्थापना दिवस परकार्यक्रम, मुख्यमंत्री श्री हिमंत विश्व सरमा का अभिनंदन, बोगाली बिहु-२०२२ (समन्वय), शिल्पी दिवस-२०२२ कार्यक्रम, गणतंत्र दिवस-२०२२ समारोह, आयकर पर सेमिनार, बाढ़ राहत शिविर, राष्ट्रीय अध्यक्ष का अभिनंदन समारोह, आजादी का अमृत महोत्सव, केंद्रीय मंत्री श्री किरन रिजुजू का अभिनंदन, लाचित दिवस पर श्रद्धांजलि समारोह, पेयजल वितरण, सम्मेलन के ८८वें स्थापना दिवस की पूर्व संध्या के कार्यक्रम, भोगाली बिहु-२०२३(समन्वय), शिल्पी दिवस-२०२३ कार्यक्रम, गणतंत्र दिवस-२०२३ समारोह, १६वें प्रांतीय अधिवेशन (सत्र २०२१-२३) में नगाँव शाखा के सदस्यों के भाग लेने, प्रतिभा सम्मान, नेत्रदान परिवार का अभिनंदन कार्यक्रम, पुस्तक वितरण, बरदोवा थान परिचालन समिति आजीवन सदस्यता अभियान, नगाँव शाखा का आजीवन सदस्यता अभियान, सोशल मिडिया फेसबुक, एस.एम. एस. के उपयोग से सांगठनिक मजबूती के लिए किए जा रहे कामों की जानकारी पूरे विवरण के साथ इसमें दिया गया है।

सीतामढ़ी व रोसड़ा शाखा द्वारा वृक्षारोपण

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा घोषित 'प्रादेशिक वृक्षरोपण कार्यक्रम' का आयोजन १७ जून २०२३, शनिवार को सीतामढ़ी शाखा द्वारा पूरे उत्साह के साथ किया गया, जिसमें हर उम्र के सदस्यों ने हिस्सा लिया। सीतामड़ी शहर के बाई पास रोड में स्थित मिथिला मोक्षधाम में वृक्षों को लगाया गया। जिसकी नियमित देखभाल भी होगी। इस अवसर पर अध्यक्ष श्री जनार्दन प्रसाद भरतिया, श्री राधेश्याम मिश्रा, श्री विजय सुन्दरका, डॉ. विजय सर्राफ, श्री पंकज गोयनका, श्री दीपक मस्करा, श्री प्रमोद शर्राफ, श्री रितेश सिकारिया ऊर्फ गणेश, श्री अशोक सोनी, श्री श्रवण जीवराजका, श्री राजकुमार हिसारिया और मंत्री श्री राजेश कुमार सुंदरका उपस्थित थे।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, रोसड़ा शाखा द्वारा वृक्षारोपण महाकुंभ कार्यक्रम के अंतर्गत ५ जगहों पर फलदार वृक्षारोपण किया गया। इसकी सूचना श्री अभिषेक जैन, सहमंत्री, बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने दी।

बिहार प्रांत के विभिन्न शाखाओं द्वारा जल वितरण का पुनीत कार्य

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, नगर शाखा सुपौल द्वारा स्थानीय श्री राधाकृष्ण ठाकुर वाड़ी के प्रांगण में आमजनता के लिए स्थाई प्याऊ गणमान्य जनों की उपस्थिति में समर्पित किया गया।

बिहार प्रा. मारवाड़ी सम्मेलन, नगर शाखा बेतिया के अध्यक्ष श्री प्रेम जी सोमानी द्वारा सम्मेलन के सदस्यों की उपस्थित में निःशुल्क भोजन वितरण के १००१ दिन पूर्ण होने के उपलब्ध में महापौर श्रीमती गरिमा देवी सिकारिया एवं उनके पार्षद पति श्री रोहित जी सिकारिया को उनके माता पिता सहित अंग वस्त्र एवं प्रतीक चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, मुंगेर नगर शाखा द्वारा भीषण गर्मी में लगातार बारहवें दिन सत्तू एवं शीतल पेयजल पिलाते हुए सदस्यगण।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, पटना सिटी शाखा द्वारा अमृत महोत्सव योजना के अंतर्गत इस भीषण गर्मी को देखते हुए पट ना सिटी के ५ स्थानों पर लगभग १ महीने के लिए अस्थाई ठंडे पानी की व्यवस्था की ताकि राहगीरों को शीतल पेयजल उपलब्ध हो सकें। इसकी जानकारी बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री श्री अभिषेक जैन जी ने दी।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन नगर शाखा बेतिया द्वारा लगातार दो महीने से चलंत एवं अस्थाई प्याऊ द्वारा शीतल जल का वितरण आम जनमानस के बीच किया जा रहा है। प्रतिदिन शीतल जल के साथ चना, गुड़ और बताशा और बैठने के लिए कुर्सियाँ तथा धूप से बचने के लिए छाता। स्वयंसेवकों द्वारा अपने हाथों से दी जा रही है।

सेवा ही हमारा धर्म और सेवा ही हमारा कर्म, जय राष्ट्र-जय समाज इस कथन को चरितार्थ करते हुए बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन मुजफ्फरपुर नगर शाखा के कार्यकर्ता द्वारा आज सत्तू और शीतल जल का वितरण पूरे शहर में किया गया।

प्रादेशिक समाचार : झारखंड

राँची जिला मारवाड़ी सम्मेलन का सम्मान समारोह

राँची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के तत्वाधान में महाराजा अग्रसेन भवन राँची में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सम्मान समारोह की अध्यक्षता राँची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के जिलाध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल ने की। समारोह का उद्घाटन अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने श्री गणेश जी के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त आई.ए.एस. के. के. खंडेलवाल ने विभिन्न परीक्षाओं में सफलता पाने वाले सभी प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि सफलता प्राप्ति के लिए अपने लक्ष्य पर सतत ध्यान देना, अनुशासन, परिश्रम एवं विनम्रता एक छात्र का मूल मंत्र है। जो उसे सदा प्रेरित करते हुए लक्ष्य की ओर अग्रेसित करता है। उन्होंने कहा कि स्वयं पर विश्वास लक्ष्य के प्रति ईमानदारी, सच्ची लगन धैर्य एवं दृढ़ संकल्प लक्ष्य पाने की सबसे बड़ी कुंजी है। उन्होंने जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा किए जा रहे शिक्षा, चिकित्सा एवं अन्य सभी जनसेवा कल्याणकारी कार्यों की सराहना की। विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति रमेश मेरठिया ने कहा कि इस तरह का आयोजन कर मेधावी छात्रों को शिक्षा के क्षेत्र में सम्मान देने से बच्चों के प्रतिभाओं में ऊर्जा का संचार होता है। बच्चों का यह सर्वश्रेष्ठ समय है उनके निर्माण का, बच्चों को जिस दिशा में मोड़ा जाएगा उसी दिशा में वह भविष्य में आगे बढ़ेंगे उनमें सकारात्मकता होने से वो देश समाज और परिवार के लिए उपयोगी सिद्ध होंगे।

श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने कहा की सम्मेलन ने सदैव आगे बढ़कर सशक्त और सकारात्मक भूमिका का निर्वाह किया है। उन्होंने कहा कि समाज के बच्चे शिक्षा के हर क्षेत्रों में पूरे देश में सफलता के परचम लहरा रहे हैं। यह एक सुखद सकारात्मक परिवर्तन है। इससे समाज के युवाओं को एक नई दिशा मिलेगी। उन्होंने सभी प्रतिभावान छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए कामना की। सम्मान समारोह में सी. बी. एस. ई. एवं आई. सी. एस. ई. २०२३ की १०वीं एवं १२वीं की परीक्षा में ९० प्रतिशत से भी अधिक अंक प्राप्त करने वाले कुल १२० मारवाड़ी समाज के छात्र-छात्राओं को प्रतिभा प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रोफेशनल डिग्री मे एम. बी. एस. एस. डॉक्टर निकिता राजगढ़िया, सी. ए. ईसिका भूत, निखिल चौधरी, अंशु चौधरी, सी. एफ. ए. शिवानी चितलांगिया, एम. बी. ए. तुषार खंडेलवाल, कौशल कौशिक, आदर्श पोद्दार, एल. एल. बी. रिशिका कौशिक, बैडमिंटन में गीतांजलि भाल्ला में सफलता पाने वाले छात्र-छात्राओं को ममेंटो, प्रशस्ति-पत्र एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया।

उक्त जानकारी राँची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने दी।

शाखा समाचार : शिलांग, पूर्वोत्तर

सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने गए श्री कुंज बिहारी अजमेरा

१ जून २०२३ को शिलांग में शिलांग मारवाड़ी सम्मेलन के सत्र २०२३-२०२५ के लिए सर्वसम्मति से शिलांग अध्यक्ष के रूप में श्री कुंज बिहारी अजमेरा जी चुने गए। यह घोषणा चुनाव अधिकारी श्री रमेश बावरी ने की।

संविधान के अनुसार अध्यक्ष श्री अजमेरा ने पदाधिकारियों का मनोनयन किया। श्री अजमेरा ने उपाध्यक्ष के रूप में श्री महेश चाचाण, श्री बजरंगलाल शर्मा एवं श्री विनोद शर्मा को मनोनीत किया। इसके अतिरिक्त श्री अनिल बजाज को महामंत्री, श्री संजय जसरासरिया एवं श्री संजीव शर्मा को संयुक्त महामंत्री एवं श्री सुशील कुमार अग्रवाल को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया। इस अवसर पर अध्यक्ष श्री कुंज बिहारी अजमेरा ने सभी मनोनीत पदाधिकारियों का स्वागत किया एवं शुभकामनाएं प्रेषित की। तत्पश्चात चुनाव अधिकारी श्री रमेश बावरी ने सभी पदाधिकारियों को शपथ दिलाई।

श्री कुंज बिहारी अजमेरा ने चुनाव अधिकारी श्री रमेश बावरी के प्रति आभार ज्ञापित किया।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का सप्तम अधिवेशन (१९५३)

(ले. श्री ईश्वरदास जालान)

सम्मेलन का सप्तम अधिवेशन आगामी ३१ दिसंबर तथा १, २ जनवरी कलकत्ते में होने जा रहा है। इसका सभापतित्व समाज के लब्ध प्रतिष्ठ श्री गोविन्ददास जी मालपाणी एम. पी. ने स्वीकार किया है। सेठ गोविन्ददास जी त्रिपुरा कांग्रेस की स्वागतकारिणी के अध्यक्ष थे और सारा जीवन उनने सार्वजनिक सेवा में बिताया है। इतने सुयोग्य समापति की अध्यक्षता में सम्मेलन सफल होगा, ऐसी आशा है। इस समय जबकि हम अपनी समस्याओं पर सम्मेलन में विचार करने जा रहे हैं यह आवश्क है कि हम अपने समाज की वर्तमान स्थिति, उसका अविष्य और हमारे कर्तव्य को स्पष्टतया समझें और ऐसा मार्ग ग्रहण करें जिससे कि हम अपनी समस्याओं को सुलझाने में समर्थ हो सकें और सम्मेलन इस कार्य के लिए एक सबल साधन के रूप में परिणत हो सके। जिस तीव्र गति से देश में परिवर्तन हो रहे हैं उसका अनुभव भी समाज के अधिकांश व्यक्तियों को नहीं है। उसका असर हमारे समाज पर क्या पड़ेगा और हम किस ज्वालामुखी के शिखर पर हैं इसकी कल्पना भी हमें नहीं है। इसको समझने के लिए देश की वर्तमान राजनीतिक गतिविधि को समझना परमावश्यक है।

देश की राजनीतिक परिस्थिति

स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद गत पांच छह वर्षों में जनता के विचारों में जो उथल-पुथल हुई है उसकी कल्पना भी तीन-चार वर्ष पूर्व कोई नहीं कर सकता था। इस समय संसार के राष्ट्रों में दो गुट हैं, एक का नेता अमेरिका और दूसरे का रूस। दोनों के मूल सिद्धांतों में परस्पर तीव्र विरोध है। पूंजीवाद और साम्यवाद का झगड़ा है। वर्तमान संसार में प्रत्येक राष्ट्र के समक्ष प्रश्न है कि वह पूंजीवादी राष्ट्र के साथ रहेगा या साम्यवादी राष्ट्र के साथ। भारतवर्ष में जो हवा बह रही है वह साम्यवाद की ओर बह रही है। इसका अर्थ यह नहीं है कि वह रूस के साथ अपना गठबंधन करेगा पर रूस के बहुत से सिद्धांतों को वह ग्रहण कर रहा है और करेगा। करोड़ों मनुष्य यहाँ ऐसे हैं जिन्हें दोनों शाम भरपेट अन्न नहीं मिलता। एक ओर तो ऐसे मनुष्यों की बहुतायत है दूसरी ओर थोड़े मनुष्य ऐसे हैं जो अत्यंत धन के संग्रह के कारण इस ढंग से रहते हैं कि जन-साधारण को इन्हें देखकर जलन पैदा होती है। धन के साथ जो पहले प्रतिष्ठा थी वह अब कम होती जा रही है। किसी को पूंजीवादी कहना उसे कोसना है। भारतवर्ष में गांधी जी ने भी साम्यवाद को आदर्श माना। वनोबा भावे जो उनके पथ के अनुयायी हैं समस्य भूमि को जनसाधारण की वस्तु समझते हैं। भारत सरकार भी इस सिद्धांत को स्वीकार कर चुकी है कि गरीब-अमीर का जो विभेद है वह कम कर दिया जाय और एक वर्गहीन समाज की स्थापना हो। इसमें कोई संदेह नहीं कि थोड़े वर्षों मनुष्यों की कद्र उसकी अपनी शारीरिक या मानसिक योग्यता पर ही रह जाएगी, धन की योग्यता पर नहीं। आज तो धनी मनुष्य अगर बिलकुल भी परिश्रम न करे तो भी अपना जीवन सुख से बिता सकता है, परंतु भविष्य में प्रत्येक स्त्री-पुरुष को श्रम करके ही जीविकोपार्जन करना होगा। वह श्रम चाहे शारीरिक हो या मानसिक। आज जो मानसिक श्रम, शारीरिक श्रम की अपेक्षा ऊंचा समझा जाता है वह भी नहीं समझा जाएगा। ऐसी परिस्थिति में विचारणीय विषय यह हो जाता है कि मारवाड़ी समाज की क्या स्थिति रहेगी और उसका अब क्या कर्तव्य है।

समाज की स्थिति

मारवाड़ी समाज राजस्थान तथा उसके समीपवर्ती भाग में उत्पन्न होकर भारतवर्ष के कोने-कोने में फैल गया है। जिन स्थानों में हम हैं, संख्या थोड़ी है परंतु व्यापार के कारण महत्व अधिक है और "**व्यापारे वसते लक्ष्मी**" के सिद्धांतानुसार आर्थिक अवस्था भी वहां के अन्य मनुष्यों की अपेक्षा अच्छी है। दानशीलता अवश्य है परंतु शिक्षा और आधुनिकता का अभाव है। रूढ़िवादिता आज भी उसे जकड़े हुए है। अधिकाश आदमी आज की दुनियां की पैतरेबाजी से अनभिज्ञ है अपने रोजगार से ही काम है और बातों की ओर इन्हें कोई विशेष दिलचस्पी नहीं। न तो सर्वजनिक जीवन से प्रेम है और न राजनीति में ही दिलचस्पी है। लोग विलासिता और फैशन में चूर होते जा रहे हैं। जो श्रमशीलता, अध्यवसाय, कार्यपटुता, मितव्ययिता पहले के लोगों में थी वह भी धीरे-धीरे लुप्तप्राय हो रही है। धन के साथ प्रमाद आ गया है और वही नाश का कारण होता है। जहाँ हम स्वयं इतने कमजोर हैं वहां इस समाज के विरुद्ध में दो बड़ी-बड़ी भावनाएँ कार्य कर रही हैं। हमारा समाज धनी समझा जाता है। यद्यपि ६५ प्रतिशत आदमी किसी तरह अपना जीवन व्यतीत करते हैं तथापि उनकी तथा उनकी स्त्रियों की वेष-भूषा देखने से गरीबी के चिह्न प्रगट नहीं होते। शादी-विवाह की चकमक दूसरों की आंखों में चकाचौंध डाल रही है। हमारी समृद्धि और वैभव दूसरों को दिखलाकर उनके हृदय में भयंकर यंत्रणा पैदा कर रही है। साम्यवाद के सिद्धांतों के प्रचार के कारण लोगों के हृदय में इस समाज के लिए इर्ष्या, द्वेष और विरोधिता की भावना बढ़ रही है। इसके अतिरिक्त दूसरा धक्का प्रांतीयता का है। समस्त भारतवर्ष में प्रांतों का विभाजन भाषा के आधार पर हो रहा है। अन्य भाषा-भाषी मनुष्यों को वे अपने से पृथक समझ रहे हैं आगे यह पार्थक्य बढ़ेगा नहीं। नेहरू जी इसे अवांछनीय समझते हुए भी जनसाधारण के भावों और मांगो की उपेक्षा नहीं कर सकते। अतएव निकट भविष्य में समस्त भारतवर्ष का संगठन एक भाषाभाषी प्रांतों में परिणत होनेवाला है। ज्यों-ज्यों यह धारणा बढ़ेगी त्यों-त्यों मानसिक संकीर्णता भी बढेगी और अन्य भाषा-भाषी और भी बुरे लगने लग जाएंगे। बड़े-बड़े राजवाडे उठ गए। जमींदार उठ गए और जो बचे हैं वे उठने वाले हैं, जिनकी आजीविका जमीं पर निर्भर था। उन्हें भी आज केवल व्यापार व्यवसाय ही आजीविका का आधार दिखाई दे रहा है। जब वे अन्य मनुष्यों को उस क्षेत्र में देखते हैं तो उन्हें, उनके विरुद्ध में भावना जागृत होती है। मारवाड़ी समाज जिन स्थानों में बस गया है उसी में रहना पड़ेगा। ऐसी स्थिति में यह निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि इस समाज के समझ जो जीवन-मरण की समस्याएं हैं वैसी समस्याएँ अन्य समाजों के सामने शायद ही हो।

(साभार : अ.भा.मा.सम्मेलन के अधिवेशन के अवसर पर प्रसारित 'वर्तमान युग और मारवाड़ी समाज')

आगे जारी....

Apollo
TOUCHING LIVES

Certificate No. : M-0342
NABL Accredited

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

P-72, Prince Anwar Shah Road, Opp. South City Mall, Kolkata-700 045
Tel. : 4021-2525-55, E-mail : pashahroad@theapolloclinic.com

SERVICES AT A GLANCE

- **Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments**
- **Radiology**
  - MRI / CT / Scan | - Digital X-Ray
  - Ultrasonography | - Colour Doppler Study
- **Cardiology**
  - ECG | - Echo-Cardiography
  - Echo-Colour Doppler | - Holter Monitoring
  - Treadmill Test (TMT)
- **Wide Range of Pathology**
- **Pulmonary Function Test**
- **UGI Endoscopy / Colonoscopy**
- **Physiotherapy**
- **EEC / EMG / NCV**
- **General & Cosmetic Dentistry**
- **Elder Care Service**
- **Sleep Study (PSG)**
- **EYE / ENT Care Clinic**
- **Gynae and Obstetric Care Clinic**
- **Haematolgy Clinic**
- **Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep**
- **Health Check-up Packages**
- **Online Reporting**
- **Report Delivery**

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 97481-22475

98301 96659

Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks

Yours Tastefully
Anmol
हर पल अनमोल
हर घर अनमोल
www.anmolindustries.com | Follow us on:

सम्मेलन का साधारण अधिवेशन (१९३५)

(प्रथम दिन)

पूर्व निश्चय के अनुसार ता. ३० दिसंबर १९३५ को सम्मेलन के साधारण अधिवेशन का कार्य अरंभ हुआ। सर्वप्रथम प्रातः काल ७ बजे मनोनीत सभापति राय श्री रामदेव जी चोखानी बहादुर द्वारा उत्सवके रूप में जातीय झंडा फहराया गया। इस अवसर पर हमारे अबतक आए हुए प्रतिनिधि और समाज के स्थानीय सभी गण-मान्य सज्जन उपस्थित थे। सेवा समिति बालचर मंडल के बालचरों ने अपनी बैंड पार्टी द्वारा सभापति का स्वागत किया। इसी समय सभापति और उपस्थित सज्जनों के फोटो लिए गए। इसके बाद '१२ बजे से दोपहर की कार्रवाई आरंभ हुई।

निश्चित समय पर मनोनीत सभापति राय श्री रामदेव जी चोखानी बहादुर एम. एल. सी. का शुभागमन हुआ। सर्व प्रथम कुमार सभा विद्यालय के बालकों द्वारा ईश-प्रार्थना की गई। तत्पश्चात स्वगताध्यक्ष श्रीयुक्त शिवकृष्ण जी भट्टर ने आमंत्रित सज्जनों और आगत प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए अपना मुद्रित भाषण पढ़ सुनाया। इसके बाद देश के विभिन्न प्रांतों से आए हुए प्रतिष्ठत सज्जनों के संदेश और शुभकामनाएँ पढ़ी गई।

स्वागतध्यक्ष के प्रस्ताव और बाबू बैजनाथ जी केड़िया तथा मदनगोपाल जी जोशी के समर्थन के अनुसार सभापति महोदय ने सभापति पद ग्रहण करते हुए अपना विवेचनात्मक विस्तृत सामयिक भाषण पढ़ा। सभापति के भाषण के पश्चात विषय निर्वाचिनी समिति का संगठन किया गया। लगभग ८ बजे रात को कार्रवाई समाप्त की गई।

(द्वितीय दिवस)

ता. ३१-१२-३५

पंडित विजयकृष्ण जी शुक्ल के मंगलाचरण-गायन के पश्चात दिन के ३ बजे से आज की कार्रवाई शुरु हुई। सर्वप्रथम, आज आए हुए बाहर के प्रतिष्ठित सज्जनों के संदेश और शुभकामनाएँ पढ़ी गईं; जिनमें राष्ट्रपति बाबू राजेन्द्र प्रसाद जी विशेष उल्लेखनीय हैं।

तदंतर विषय निर्वाचिनी समिति द्वारा स्वीकृत प्रस्ताव उपस्थित किए गए। काफी विचार-विमर्श के बाद २१ समोपयोगी और महत्वपूर्ण प्रस्ताव स्वीकृत हुए। सम्मेलन को स्थायी रूप दिया गया और उसकी नियमावली स्वीकार की गई; साथ ही कार्यकारिणी समिति का संगठन भी किया गया। इस प्रकार सभापति महोदय, आगत प्रतिनिधियों और सहयोगी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देते हुए रात्रि के ८ बजे सम्मेलन के प्रथम अधिवेशन की समस्त कार्रवाई समाप्त की गई।

सज्जनों, संक्षेप में यही सम्मेलन के करकत्ता अधिवेशन तथा उसकी स्वागतकारिणी समिति का विवरण है; जिसे मंत्री की हैसियत से हम आज आपकी सेवा में उपस्थित तर रहे हैं। यह हम नवयुवकों का प्रथम उद्योग था। युवकोचित उत्साह के आधार पर ही हमलोग इस महान अनुष्ठान की साधना के लिए तत्पर हुए थे। आपलोगों का जो सहयोग मिला, उसका हमें पहले ही से विश्वास था। सम्मेलन की आशातीत सफलता का यही एकमात्र कारण सिद्ध हुआ। स्वागत-समिति इसके लिए आपका आभार मानती है।

कार्य जितना व्यापक और महान था; स्वागत समिति का उद्योग उसके सामने बहुत ही अल्प था; साथ ही, प्रथम उद्योग होनवे के कारण अनुभव की भी कमी थी। ऐसी दशा में अनेक त्रुटियों का होना संभव है, जिनके लिए हम स्वागत-समिति की ओर से क्षमाप्रार्थी हैं।

धन्यवाद और कृतज्ञता ज्ञापन

'कार्य विवरण समाप्त करने के पूर्व उन महानुभावों को धन्यवाद दे देना और उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करना हम अपना कर्तव्य समझते हैं, जिनके सहयोग से हमें सम्मेलन के अधिवेशन में सफलता प्राप्त हुई। स्वागत-समिति अपने आर्थिक सहायता-दाताओं के प्रति विशेष रूप से आभारी है; जिनकी उदारता से सम्मेलन के काम सुचारु रूप से अग्रसर करने में समर्थ हो सके। सम्मेलन के सेवा-कार्य की सुचारुता का श्रेय हमारे स्वयंसेवकों को है; एतददर्थ हम उनके प्रति भी कृतज्ञता प्रकट करते हैं। स्थानीय हिंदी नाट्य परिषद के भी हम आभारी हैं, जिसने 'उसपार' नाटक खेलकर हमारे आगत प्रतिनिधियों और स्वागत-समिति के सदस्यों का मनोरंजन किया। उत्साही समाज-सेवक भाई श्री कन्हैयालाल जी थरड भी धन्यवाद के पात्र है; जो किसी पद पर न होते हुए भी एक समाज-हितैषी के नाते रातो-दिन परिश्रम कर हमलोगों के साथ सम्मेलन की सफलता में पूर्णरूपेण सहयोगी रहे। सहयोगियों, विभागों के मंत्रियों को भी उनकी कार्य-तत्परता के लिए धन्यवाद है। कलकत्ता कार्पोरेशन तथा उन अन्य स्थानीय संस्थाओं के भी हम उपकृत हैं, जिन्होंने सम्मेलन के कार्य में सहायता पहुंचाई। स्वनामधन्य श्रीयुक्त बाबू जगन्नाथ प्रसाद जी गुप्त जिन्होंने स्वागत-समिति के कार्यालय के लिए पंडाल के बगल बाले अपने मकान में स्थान प्रदान किया, धन्यवाद के पात्र हैं। सर्वाधिक हम उन महानुभावों के आभारी हैं जिन्होंने धन की ही सहायता नहीं दी, प्रस्तुत सम्मेलन का सुसंगठन कर रातों-दिन के परिश्रम से उसे सफल बनाया, जिनमें सर श्री बद्रीदास जी गोयनका Kt. C. L. E. राय बहादुर मंगतुराम जी तापडिया, श्री ज्वालाप्रसाद जी भातिया और श्री रामसहायमल जी मोर आदि के नाम विशेष उल्लेख्य हैं।

(साभार : अ.भा.मा.सम्मेलन के अधिवेशन के अवसर पर प्रसारित स्वागत समिति के कार्य विवरण से)

आगे जारी...

आलेख

बच्चों का भविष्य उज्ज्वल बनाएँ

– दिनेश कुमार जैन

परीक्षा के परिणाम घोषित हो चुके हैं। कुछ बच्चों को आशा से ज्यादा मार्क्स मिले हैं और कुछ को आशा के विपरीत कुछ कम। सभी के घर उनको व उनके माता-पिता को रिश्तेदारों की बधाई देने का तांता लगा हुआ है। रसगुल्ले बंट रहे हैं। सभी बहुत खुश हैं। सभी स्कूल मैनेजमेंट भी अपने स्कूल के बच्चों के अच्छे रिजल्ट की सराहना करते हुए, विज्ञापन कर रहे हैं कि हमारे स्कूल के बच्चों ने अच्छा प्रदर्शन किया।

दो-तीन दिन बाद, आगे का चिंतन चलने लगता है। बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए आगे क्या करना है, कौन से कॉलेज में एडमिशन मिलेगा या फिर कौन सा विषय लेकर पढ़ना बच्चे के लिए हितकारी होगा। कौन से कॉलेज में आवेदन करना है, प्रवेश मिलेगा या नहीं, कौन सा विषय चुनना है, कौन से शहर में आगे पढ़ना है, व आगे जाकर उसे क्या बनना है, ये सब गहन चिंतन शुरू हो जाता है।

यहाँ से शुरू होता है माता-पिता का रोल। अपने बच्चों का उचित मार्गदर्शन करने के लिए अभिभावकों का जागरूक दृष्टि-कोण होना चाहिए। जो बच्चों को सही चुनाव करने में सहयोग करे क्योंकि समय पर सही निर्णय नहीं लिया जाए तो फिर पछताए होत क्या? और एक महत्वपूर्ण मोड़ पर जाकर पीछे पलटना भी बहुत मुश्किल होगा। इसलिए आज इस महत्वपूर्ण मोड़ पर सही दिशा बच्चों को देना बहुत ही जरूरी है। इसी को प्राथमिकता देते हुए पूर्ण समय देकर सारी जानकारी का उच्च मूल्यांकन कर गहन रूप से विचार करें।

आप सभी बच्चों से विचार-विमर्श करके, चिंतन करके बच्चों को आगे की राह दिखा सकते हैं, कुछ जिंदगी की रूपरेखा, सुनहरे भविष्य के प्रति बच्चों को सटीक दृष्टि देते हुए शांतिपूर्ण तरीके से आगे जिंदगी को निर्वाह करने में मदद कर सकते हैं। परिणाम सिर्फ एक दरवाजा खोलते हैं, लेकिन भविष्य की समग्र प्रतिष्ठा और समृद्धि उस दरवाजे के परे निहित होती है। इसलिए इस निर्णय को केवल शौक और प्राथमिकताओं के आधार पर नहीं लेना चाहिए। बच्चे की प्राकृतिक प्रतिभा, इंटरेस्ट और आकर्षण को ध्यान में रखकर निर्णय लेना चाहिए।

अब यह सोचते हैं कि आप का क्या रोल होना चाहिए या आपको क्या करना चाहिए या आप क्या कर सकते हैं। सबसे पहले पेन और डायरी लेकर एक SWOT एनालिसिस करें, बच्चों के साथ बैठकर सारे निर्णय जो बच्चे और आप मिलकर लेना चाहते हैं। कंप्लीट मूल्यांकन करें, कैरियर संबंधित और उपलब्ध सुयोग के बारे में ज्यादा से ज्यादा गूगल और गहन शोध करके जानकारी हासिल करें। बच्चों के साथ ही विमर्श करके उनकी रुचि और उनकी इच्छा, इन सब चीजों के बारे में पूर्ण जानकारी प्राप्त करें।

अधिकतर, सभी बच्चों में गॉड गिफ्टेड कुछ टैलेंट होते हैं। इन बच्चों में जो प्रतिभा है, उनको खोजकर आइडेंटिफाई करें; उनसे उसके बारे में बात करें और यह जाने कि उनकी क्या रुचि, किस दिशा को इंगित कर रही है। सुनने-समझने की कोशिश करें; जिसमें वह संपूर्ण रूप से खुश रहें।

इस संदर्भ में मैं बच्चों के माता-पिता से एक अपील करना चहूंगा – आपकी पहली प्राथमिकता अपने बच्चे के भविष्य को समर्पित करनी चाहिए। उनकी रुचि, प्रतिभा और इंटरेस्ट का समर्थन करें और संबंधित विषयों में विशेषज्ञ लोगों से सलाह लेने के लिए प्रोत्साहित करें। इसके साथ ही, अपने बच्चे के साथ संवाद बनाए रखें और उन्हें संबंधित विकल्पों के बारे में विचार करने के लिए प्रेरित करें।

समय, स्थिति को ध्यान में रखते हुए, बच्चों के अच्छी काउंसलिंग की बहुत जरूरत है। माता-पिता को बच्चे का समर्थन करते हुए उन्हें सही दिशा में मार्गदर्शन देने का भरपूर प्रयास करना चाहिए। बच्चों को अपने दोस्तों के भरोसे छोड़ना सही नहीं है, जिन्हें दुनियादारी की बातों का इतना ज्ञान नहीं होता। कच्ची उम्र के बच्चे गलत चीजों से प्रभावित हो जाते हैं।

बच्चों की शारीरिक, मानसिक व बौद्धिक शैली को भी पहचान कर उचित कैरियर चुनना अच्छा रहेगा। ऐसा ना हो, अभिभावकों के अति दबाव में आकर या किसी भी तरह के दबाव में आने से बच्चों का भविष्य अंधकारमय हो सकता है। हो सकता है, अगर सफल ना हो तो, डिप्रेस्ड हो जाए या गलत दिशा में अग्रसर हो जाएँ।

माता-पिता के लिए यह जरूरी है कि १४ साल की उम्र से ही, वह अपने बच्चों के साथ साप्ताहिक आधा घंटा, उनके भविष्य के बारे में, उनकी पढ़ाई के बारे में, उनके दोस्तों के बारे में, उनकी जिंदगी के बारे में खुलकर बात करें, ताकि वह अपनी हर सोच को, बेहिचक, बिना किसी डर के अपने माँ-बाप के साथ शेयर कर सकें। बच्चों को लक्ष्यों को निर्धारित करने, उनके समय को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने और स्वस्थ कार्य-जीवन संतुलन बनाए रखने के महत्व को बढ़ाने से उनकी दीर्घकालिक सफलता में योगदान मिल सकता है।

इस नए अध्याय में भविष्य के निर्धारण में माता-पिता का योगदान आवश्यक है। उचित निर्णय लेने से उनका भविष्य सफलतापूर्वक निर्मित हो सकता है। इससे उनका भविष्य सुरक्षित होगा और उनके सपनों की प्राप्ति में मदद मिलेगी। इस प्रक्रिया में संवेदनशीलता और धैर्य से बच्चे की स्थिति का मूल्यांकन करें और उसके साथ सही तथा सुरक्षित भविष्य के लिए संवाद बनाए रखें। इससे वे सही दिशा में सार्थक और खुशहाल जीवन की ओर अग्रसर होंगे।

पहले बच्चे अपने भविष्य के बारे में सही समय पर जागरूक बनें और साथ ही अभिभावकगण उनके उत्साह को बढ़ाते हुए तन-मन-धन से अपने बच्चों का सहयोग करें। अब समय आ गया है कि हम अपने बच्चों को समझें और उनका आदर करें। यह निश्चित रूप से भविष्य के संघर्षों को टालेगा और बंधनों और पारिवारिक मूल्यों को मजबूत करेगा और भविष्य को बेहतर और उज्ज्वल बनाएगा।

श्री सांवरमल सांगानेरिया को सत्र महासभा की 'वैष्णव बंधु' उपाधि

असम सत्र महासभा द्वारा साहित्यकार-चिंतक श्री सांवरमल सांगानेरिया को वर्ष २०२२-२३ की 'वैष्णव बंधु' उपाधि से सम्मानित किया गया। सांगानेरिया को प्रदान की गई उपाधि में मानपत्र, स्मृतिचिन्ह के अलावा ३१ हजार रुपए का चेक भी शामिल है। श्रीमंत शंकरदेव के व्यक्तित्व और कृतित्व पर लिखी गईं उनकी पुस्तकों के कारण उन्हें इस उपाधि से सम्मानित किया गया है। असम सत्र महासभा के अध्यक्ष व सत्राधिकार जितेंद्र नाथ प्रधानी की अध्यक्षता में आयोजित इस समारोह में सत्र महासभा के कार्यकारी अध्यक्ष सत्राधिकार भवानंद गोस्वामी, महासचिव कुसुम कुमार महंत, केंद्रीय हिंदी संस्थान, भारत सरकार, गुवाहाटी के निदेशक चंद्रशेखर चौबे, तेजपुर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अनुशब्द, वीरेंद्र दास, किशोर जैन, विनोद रिंगानिया, कृष्ण कुमार जालान, रतन कुमार अग्रवाल, राजेश मोर, नारायण खाखोलिया, पवन कुमार अग्रवाल, श्यामसुंदर सांगानेरिया, सरोज जालान, कंचन केजरीवाल उपस्थित थे।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मधुसूदन सीकरीया ने भी डॉ. सांवरमल सांगानेरिया की इस उपलब्धि पर अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सभी समाज बंधुओं के लिए अत्यंत गर्व का विषय है।

बधाई!

आप हैं केरल कैडर के १९८९ बैच के आई.पी.एस अधिकारी श्री नितिन अग्रवाल जिन्हें सीमा सुरक्षा बल का नया महानिदेशक नियुक्त किया गया है। अग्रवाल वर्तमान में दिल्ली में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल मुख्यालय में संचालन के अतिरिक्त महानिदेशक के रूप में तैनात हैं। आपको हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ!!

विश्व नेत्रदान दिवस पर विशेष

चिराग बुझा तो रोशन जमाने को करने लगे

किसी के घर का चिराग बुझ जाए तो आमतौर पर लोग टूट जाते हैं, निराश-हताश रहने लगते हैं, सकारात्मक सोच मर जाती है। पर भागलपुर शहर में एक ऐसे व्यक्ति हैं जिनके घर का चश्म-ओ-चिराग बुझा तो वे जमाने को रोशन करने निकल पड़े। बेटे की मौत के बाद सबसे पहले उसकी आंखों को दान किया। अब दिन रात-रात नेत्रदान के प्रति लोगों को जागरूक कर रहे हैं।

हम बात कर रहे हैं सम्मेलन के आजीवन सदस्य श्री विनोद अग्रवाल की। नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए इन्होंने २०२१ में नया बाजार स्थित मोती मातृ सेवा सदन में मोती मातृ संस्था के सहयोग से बेटे के नाम से अभिषेक अग्रवाल आई केयर सेंटर की स्थापना की। जहां मामूली फीस देकर लोग अपनी आँखों का अत्याधुनिक तरीके से इलाज करवा सकते हैं। विनोद अग्रवाल हर साल निःशुल्क मोतियाबिंद शिविर का भी आयोजन करते हैं। जहाँ बड़ी संख्या में लोग अपनी आँखों का आपरेशन करवाने पहुँचते हैं।

लायंस क्लब भागलपुर के जिलापाल विनोद बताते हैं कि लोगों में नेत्रदान के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए एक संस्था की स्थापना की गई है। जो लोगों को मृत्यु के उपरांत नेत्रदान करने के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि नेत्रदान महादान है। अगर आपने नेत्रदान किया तो आपकी मृत्यु के बाद भी आपकी आँखें जिंदा रहकर दुनिया देखती हैं।

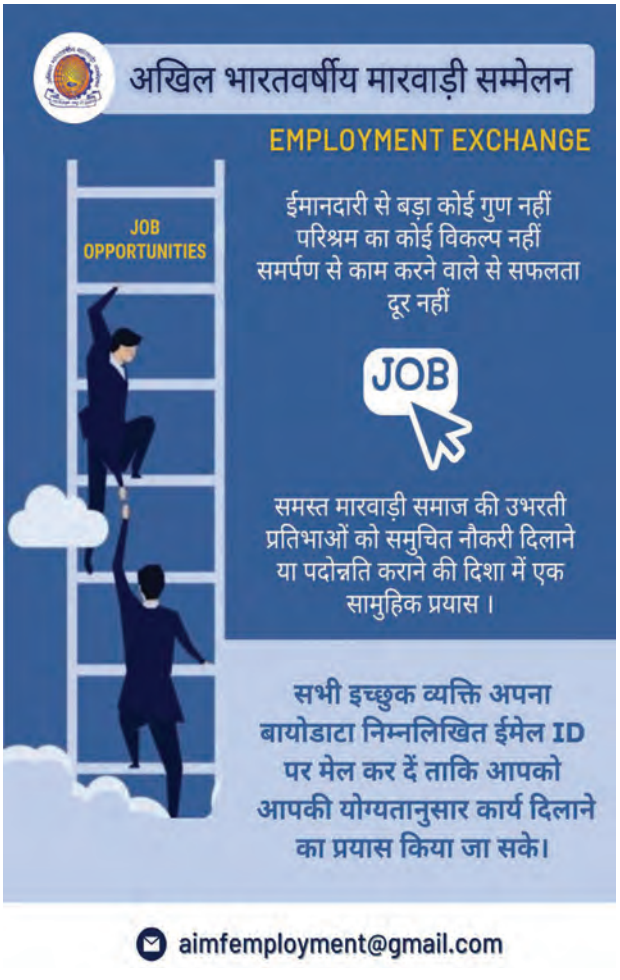

मेरे सारे यंग ड्रीमर्स के लिए

आज मैं आपको एक ऐसी चीज बताना चाहता हूँ जो कई सालों से मेरी खुशी का एक सीक्रेट फार्मूला बन गई है... वो है डांस करना। वो भी ऐसे, जैसे कोई आपको देख ना रहा हो।

मैंने बिजनेस की दुनिया में कई साल गुजारा है, काफी कठिन दौर भी देखें हैं। खूब मीटिंग्स अटेंड की, कुछ अच्छी और कुछ बुरी.... इनके बीच एक चीज़ हमेशा कांस्टेंड रही, वो है ज़िंदगी को खुल के जीना – जो सुकून जिंदगी खुलकर जीने में है वो और कहाँ!

चाहे मैं अब इस फोटो जितना जवान नहीं रहा, लेकिन दिल से अभी भी ऐसा ही हूँ। 'Feeling young' है मेरी हैप्पीनेस का असली राज़... ये एक बहुत ही लाजवाब तरीका है अपने आप को याद दिलाने का कि ज़िंदगी एक ऐसा तोहफा है जिसे हमेशा खुशी से मनाना चाहिए।

मेरे सारे यंग ड्रीमर्स के लिए - अपने सपनों का पीछा करना ना छोड़िए, लेकिन साथ ही साथ इन छोटी खुशियों को जीना ना छोड़िए जो जिंदगी को खूबसूरत बनाती है...

बस एक ठुमका और एक मुस्कुराहट के साथ।

– श्री अनिल अग्रवाल
(राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान – २०१७ से सम्मानित)

समाचार सार

गीताप्रेस को गांधी शांति पुरस्कार

गीता प्रेस गोरखपुर को २०२२ गांधी शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, जो महात्मा गांधी की १२५वीं जयंति के उपलक्ष्य में १९९५ में भारत सरकार द्वारा स्थापित प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार है। यह उन व्यक्तियों/संगठनों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने उनके द्वारा अपनाए गए आदर्शों को आगे बढ़ाने में योगदान दिया हो।

श्लाका पुरुष जयदयाल गोयनका ने गीता को शुद्ध भाषा में प्रकाशित करने के उद्देश्य से १९२३ में गोरखपुर में गीता प्रेस की स्थापना की। उन्हीं दिनों उनके मौसेरे भाई हनुमान प्रसाद पोद्दार उनके संपर्क में आए तथा वे गीता प्रेस के लिए समर्पित हो गए। गीता प्रेस से 'कल्याण' पत्रिका का प्रकाशन शुरू हुआ। उनके गीता तथा परमार्थ संबंधी लेख प्रकाशित होने लगे। उन्होंने 'गीता तत्व विवेचनी' नाम से गीता का भाष्य किया। उनके द्वारा रचित तत्व चिन्तामणि, प्रेम भक्ति प्रकाश, मनुष्य जीवन की सफलता, परम शांति का मार्ग, ज्ञान योग, प्रेमयोग का तत्व, परम-साधन, परमार्थ पत्रावली आदि पुस्तकों ने धार्मिक-साहित्य की अभिवृद्धि में अभूतपूर्व योगदान किया है।

सम्मेलन के सदस्य बनें एवं बनाएँ

जोशी को राजस्थानी विशेष सेवा शिखर सम्मान

हिंदी-राजस्थानी के साहित्यकार राजेन्द्र जोशी को राजस्थानी विशेष सेवा शिखर सम्मान पारसमल पांड्या स्मृति राजस्थानी साहित्य पुरस्कार देने की घोषणा की गई है। नेम प्रकाशन एवं अखिल भारतीय राजस्थानी भाषा मान्यता संघर्ष समिति डेह, नागौर के तत्वावधान में राजस्थानी भाषा के लिए प्रतिवर्ष दिया जाने वाला यह पुरस्कार जोशी की राजस्थानी कथा संग्रह **'जुम्मै री नमाज'** को देने की घोषणा की गई है।

बधाई!

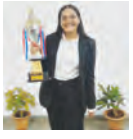

एकता गुप्ता ने बैंगलोर में आयोजित मूट कोर्ट प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन किया। यह भारत में कानूनी पेशे के क्षेत्र में सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिता है। एकता द्वारा प्रतिनिधित्व की गई नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, ओडिशा की टीम अपने साथियों अखिल राज और कार्तिक शुक्ला के साथ इस प्रतियोगिता में उपविजेता रही।

सम्मेलन एकता को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देता है।

चरित्र एवं भीतर का सौंदर्य ही है असली आभूषण

– आचार्य श्री महाप्रज्ञ

सौंदर्य सबको अच्छा लगता है, साहित्य जगत में तीन शब्द चलते हैं, सत्यम् शिवम् और सुन्दरम सत्य ही शिव है और अंत में सुंदर है। एक रमणीय वस्तु, सुंदर वस्तु मन को लुभाती है और यही वस्तु मन में घृणा भी पैदा करती है। आदमी अपने आपको सुंदर दिखाने का प्रयत्न भी करता रहा है, कोई भी भद्दा दिखना नहीं चाहता, इसीलिए शायद आधुनिक युग में साज-सज्जा और संवारने की प्रतिस्पर्धा चल रही है, आदमी अपने आपको सजाता है, शरीर को सजाता है, केश को सजाता है, शरीर को सजाता है, हर अंग को सजाता है, इसीलिए उसने गहने पहनना शुरु किया, आज गहनों की बहुत दुकानें चलती हैं, ज्वैलरी का बहुत बड़ा धंधा हो गया, एक बड़ा उद्योग बन गया, बड़ा व्यापार बन गया, सूरत, मुंबई, जलगांव आदि बड़े शहरों में गहनों का विशाल भंडार मिलेगा, क्योंकि आदमी गहने पहनता है और उसे गहनों का शौक भी है, कहते हैं कि स्त्रियों को गहनों का शौक ज्यादा है, पर पुरुष भी उनसे पीछे नहीं है, वे भी गहने पहनते हैं।

पत्नी ने पति से कहा – आज रात को बहुत अच्छा सपना आया।

पति – बताओ, क्या आया?

पत्नी – आपने मुझे बहुत सुंदर हार लाकर दिया है, बहुत अच्छा सपना आया।

पति देखता रहा, थोड़ी देर में देखा कि पत्नी का चेहरा थोड़ा उदास-सा हो गया। पति ने अगर कहा होता कि 'अभी लाकर दे दूंगा', तो प्रसन्नता होती, लेकिन पति ने कुछ कहा नहीं तो पत्नी का चेहरा उदास हो गया।

पति – चिंता मत करो, उदास क्यों होती हो, पहली बार सपना आया और हार तुमको मिल गया। इस बार सपना आए तो हार को पहन लेना, बस बात समाप्त।

सपनें में भी गहना पहनना अच्छा लगता है, गहना पहनने से सौंदर्य बढ़ता है, हजारों-हजारों वर्ष पुरानी परंपरा हिंदुस्तान में रही और आज भी वह अक्षुण्ण है। प्रश्न आया कि सौंदर्य का गहनों के साथ ही संबंध है या कोई दूसरा विकल्प भी है, इस पर विद्वानों ने गहराई से विचार किया। उन्होंने कहा – इसका विकल्प है। एक व्यक्ति गहना पहनकर सुंदर बनता है, एक व्यक्ति तो प्रकृति से महान होता है या प्राकृतिक रूप से सुंदर होता है, उसे गहना पहनने की जरूरत ही नहीं है। उसका सौंदर्य अपने आप निखर जाता है, आचार्य सोमप्रभ ने एक ग्रंथ बनाया – 'सिन्दूरप्रकर'। इसमें उन्होंने एक नया विकल्प बताया – हाथ का आभूषण है – त्याग, जो देना जानता है, छोड़ना जानता है, यह हाथ का आभूषण है। एक व्यक्ति का सौंदर्य सोने के गहने पहनने से बढ़ता है, तो दूसरे का सौंदर्य हाथ से दान देने से, त्याग से बढ़ता है। त्याग की शक्ति इतनी है कि कोई भी आया, याचना की, उसकी वह वस्तु दे दी, अपने पास कुछ नहीं रखा।

महाकवि माघ की तरह महाकवि निराला भी त्यागी कवि थे, बड़े दानी थे। एक गाँव में उनका स्वागत किया गया। उसमें बहुत बढ़िया कंबल उनको ओढ़ाया गया। लोग जानते थे कि उन्हें कंबल ओढ़ाया गया, लेकिन घर पहुँचेंगे, तब तक यह कंबल उनके पास में रहेगा, संभव नहीं लगता। स्वागत कार्यक्रम के बाद वे जा रहे थे। सर्दी का मौसम था। सड़क पर एक भिखारी सर्दी में ठिठुर रहा था। निराला ने उसे देखा और मन में करुणा जाग गई। अपना कंबल उतारा और उसे ओढ़ा दिया।

ऐसे लोग भी होते हैं, जिनके पास दोनों अलंकरण होते हैं – एक ओर सोने का अलंकरण और दूसरी ओर त्याग का अलंकरण। इसलिए आवश्यक है कि हम सौंदर्य के दोनों पक्षों पर विचार करें। एक बाहर का सौंदर्य है और एक भीतर का सौंदर्य है। गहने पहनने वाले भी सोचें कि केवल हम बाहर से सुंदर दिखने का प्रयत्न न करें। उसके अनुरूप हमारे चरित्र का भी सौंदर्य होना चाहिए। सौंदर्य हमारा स्वभाव है, विभाव नहीं। सौंदर्य जब भी निखरता है, हमारा आभामंडल पवित्र बनता है। आभामंडल की शुद्धता और दीप्ति शरीर और मन का सौंदर्य है। इसलिए पवित्र आभामंडल चेतना के ऊर्ध्वारोहण का संवाहक है। आगम की भाषा में वह व्यक्ति सुंदर है, जो व्यवहार से विनम्र है, जिसकी इंद्रियां नियंत्रित हैं, जो प्रशांत है, जो सहिष्णु है, जो मितभाषी है, हमारा बदलाव या परिवर्तन कुछ इसी तरह के सौंदर्य के लिए हो, यह अधिक उपयोगी एवं प्रासंगिक लगता है।

हम संकल्प के साथ पवित्रता की साधना शुरू करें कि मन, भाषा, कर्म के सौंदर्य को निखारने में हम निष्ठाशील बनेंगे, जागरूक बनेंगे और पुरुषार्थी बनेंगे। न केवल हमारी सूरत, बल्कि सीरत भी उज्ज्वल होगी, पवित्र होगी और अधिक मानवीय होगी। ऐसा होने पर ही हमारा चाहे मुखमंडल बदले या हम स्वयं बदलें, वह सार्थक होगा।

> ***"धनी होना बुरी बात नहीं है,***
> ***बुरी बात है धन का प्रदर्शन,***
> ***धन का अतिशय उपभोग,***
> ***धन से उपजा अहंकार,***
> ***धन से उपजी क्रूरता और शोषण।"***

आलेख

झूंपड़ी वाळी डॉक्टर

– दमयन्ती जाडावत 'चंचल'
उदयपुर

रजनी अर उणरी माँ सड़क रै कनै एक झूंपड़ी में रैवती ही। उणरा पापा गुजरग्या हा। उणरी माँ लोगां रै घरां में चौको-बासण कर'र तंगाई री हालत में दोनां रौ गुजारौ करै। आप भूखी रैय जावै पण रजनी नैं पढ़ण नें भेजै। रजनी इज तौ उणरी एकली संतान है। वा इज उणरै घर रौ चिराग है।

एक दिन रजनी इस्कूल सूं रोवती थकी घरै आई। उणरी माँ उणनैं रोवण रौ कारण पूछ्यौ। वा बोली - "माँ म्हैं कालै सूं इस्कूल नीं जाऊं। म्हनैं टीना रोजीना चिड़ावै। म्हारी फिराक फाटी होवण सूं म्हनैं फाटी-फिराक ... फाटी- फिराक कैवै। म्हनैं साथै नीं रमावै। एक दिन तौ म्हारा टिप्पन री रोटी खायगी अर उणमें जीवतौ मेंढ़कौ रख दियौ।"

माँ उणनैं समझावती बोली - "बेटी! थूं चिन्ता मती कर म्हैं कालै माट्सा'ब नैं केऊंला। वै उणनैं समझाय देवैला। थूं आं बातां में ध्यान मती दे। थूं तौ पढ़ाई में मन लगा। थारा पापा कैवता हा'क म्हारी बेटी नैं खूब पढ़ाऊंला। आपांनैं उणारौ सपनौ सांचौ करणौ है।" अबै वा दिन-रात पढ़ण में ई ध्यान राखती।

इण साल उण दसवीं रौ इमत्यान दियौ हो। जद रिजल्ट आवण वाळौ हो तौ वा टीना नैं कहयौ – "थारै घरै अखबार आवै है। रिजल्ट आतांई म्हनैं बताय दीजै।" टीना मूंडौ बिगाड़ती बोली– "बतावणौ कांई है, थूं तौ फैल व्हेवैला।"

आज उणरौ रिजल्ट आयग्यौ, पण उणनैं पतौ नीं हो। वा झूंपड़ी रै बारै बैठी-बैठी ठामड़ा माजै ही, जित्तैक एक जीप आय'र रुकी। केमरा लियां दो-तीन आदमी नीचै उतर्‌या। उणनैं पूछ्यौ– "रजनी कठै है?" वा डरतोड़ी बोली– "म्हैं इज रजनी हूं। थैं कुण हो? म्हारा सूं कांई काम है?" वै बोल्या– "म्हैं पत्रकार हाँ। थनै पत्तौ कोनी कांई? थूं मेरिट में पै'ले नम्बर पै आई है।"

इत्तौ सुणतांई उणरी खुशी रौ पार नीं रहयौ। वा जोर सूं माँ नैं आवाज दी। "माँ! दे'ख ए कांई केय रह्या है।" बेटी री आवाज सुण'र माँ बारै आई। पत्रकार माँ नैं रजनी रै मेरिट में आवण री बात बताई अर बधाई दी। उणां माँ बेटी रा फोटू लिया अर रजनी नैं पूछ्यौ– "थूं आपरै मेरिट में आवण रौ श्रेय किणनैं देवै है अर जीवण में आगै थूं कांई बणणौ चावै है?" रजनी बोली– "म्हारी इण सफलता में म्हारी माँरी जी-तोड़ मै'नत अर उणरै हिम्मत बंधावणै रै साथै म्हारी दिन-रात री मै'नत काम आई। म्हैं आगै पढ़'र डॉक्टर बणणौ चाऊं, अर सगळां री सेवा करणौ चाऊं हूँ।"

दो-तीन दिनां तक रजनी रै घरै बधाई देवण वाळां रौ रैलौ चालतौ रह्यौ। उणरौ घणौ ई आदर अर सनमान व्हियौ। रजनी आपरै गांव रौ नाम ऊँचौ कर्‌यौ।

वा आपरी मै'नत अर लगन सूं हर साल अव्वल आवती। उणनैं छात्रवृत्ति मिलती रैवती। समाजसेवी संस्थावां ई टैम टैम पै उणरी पढ़ाई रा खरच में मदत करती।

उण आपरी पढ़ाई पूरी करी। आज वा एक निजू डाक्टर है। उणरै कनै कार है, बंगळौ है, पण बीमारां नैं आपरी झूंपड़ी में इज बैठ'र देखै। वा गरीब लोगां रौ मुफत में इलाज करै। सगळा उणनैं झूंपड़ी वाळी डॉक्टर कैवै।

कविता

बेटी रौ सपनौ

– अब्दुल समद राही
अध्यक्ष प्रबंध निदेशक
शबनम साहित्य समिति

मती महारौ मां
म्हनै कोख में
दुनिया में थै आवण दौ
अँधियारौ है
चहूं दिसा में
उजियारौ बण छावण दौ

नारी होय नै
नारी रौ थै
कीकर कत्ल करौला
घडौ पाप रौ
अपणै हाथां
कीकर थै भरौला
राखौ हूंस लड़ना री
इंकलाब थै लावण दौ
मती मारौ मां....

बेटा-बेटी में
जिंका फरक बतलावै
बेटा नै माथै चढ़ा
हरमेस मूंडा री खावै
अेड़ा लोगां नै खूंटी खेंच
मुंडौ ढक नै सोवण दौ
मती मारो मां.....

पढ़-लिख नै
म्हैं तौ मायड़
दुनिया में नाम करूंला
बण डाक्टर-इंजीनियर
भारत निर्माण करूंला
देखेला दुनिया सगळी
सपना म्हनै सजावणण दौ
मती मारौ मां.....

राणी बण नै
जिणरै घर ई
अेक दिन में जाऊंला
उणनै ई अपणै प्रेम सूं
स्वर्ग जिसौ बनाऊंला
प्रेम रा मीठा गीत
म्हनै ई तौ गावण दौ
मती मारौ मां.....

28 YEARS OF EXCELLENCE & COMMITMENT

200+ TEAM

JUST 1 PHILOSOPHY

"Once our client ALWAYS our client"

Dr. Dinesh Jain
MANAGING DIRECTOR

YOUR TRUSTED WEALTH PARTNER

AUM CAPITAL
YOUR TRUST IS OUR WEALTH

New Delhi | Mumbai | Pune | Kolkata | Ranchi | Bangalore | Chennai

www.aumcap.com

/ AumCap

Rungta Office, Nagar Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand- 833201
Email - tmtsales@rungtasteel.com

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®
CENTURYLAMINATES®
CENTURYVENEERS®
CENTURYDOORS®
CENTURYEXTERIA®
Decorative Exterior Laminates
CENTURYPVC®
CENTURYPARTICLEBOARD®
The Eco-friendly and Economical Board
CENTURYPROWUD®
MDF-The wood of the future
zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS
SAINIK 710
WATERPROOF PLY
SAINIK LAMINATES™
BOLD & BEAUTIFUL

CENTURY PLYBOARDS (INDIA) LTD.

Century House, P-15/1, Taratala Road, Kolkata - 700 088

For any queries, SMS 'CPIL' to 56070 or call us on **1800 5722 122**

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2021-2023
Date of Publication - 27th June 2023
RNI Regd. No. 2866/1968

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com